

पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में 3,421 किमी का नेटवर्क, 841 किमी अब भी निर्माणाधीन, 2028-29 तक पूरा करने का लक्ष्य

भारतमाला की रफ्तार पर जमीन और मंजूरियों का ब्रेक

અર્શદીપ સિંહ સમર | ચંડીગઢ
સમર ન્યૂઝ

देश में तेज और बेहतर सड़क संपर्क का बड़ा नेटवर्क तैयार करने के उद्देश्य से शुरू की गई भारतमाला परियोजना का पहला चरण अब भी कई अड़चनों से जूझ रहा है। पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से गुजरने वाले इस नेटवर्क में कुछ महत्वपूर्ण हिस्से तैयार हो चुके हैं, लेकिन भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय मंजूरियों, उपयोगिता सेवाओं को स्थानांतरित करने, अतिरिक्तम हटाने, किसानों के विरोध और उद्देकारों के प्रदर्शन जैसी समस्याओं के कारण कई परियोजनाएं तय समय से पीछे चल रही हैं। केंद्र ने अब भारतमाला परियोजना के पहले चरण को 2028-29 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

भारत सरकार ने 2017 में भारतमाला परियोजना के पहले चरण को 34,800 किलोमीटर लंबाई के लिए 5.35 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित खर्च के साथ मंजूरी दी थी। जुलाई 2026 में संसद में दी गई जानकारी के अनुसार मैं 2026 तक देश में 26,425 किलोमीटर लंबाई का भी परियोजनाएं आवंटित हो चुकी थीं और इनमें से 22,709 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो गया था। यानी 3,716 किलोमीटर अभी निर्माणधीन था। परियोजना पर 30 जून 2026 तक 5,63,779 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके थे। नवंबर 2023 से भारतमाला के पहले चरण में नई परियोजनाओं को मंजूरी देना बंद है और अब पहले से स्वीकृत कार्यों को पूरा करने पर जोर है।

पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में

भारतमाला के तहत कुल 3,421 किलोमीटर का नेटवर्क निर्धारित है। इनमें 3,029 किलोमीटर की परियोजनाएँ आवंटित हो चुकी हैं। मई 2026 तक 2,188 किलोमीटर का निर्माण पूरा हुआ था, जबकि 841 किलोमीटर हिस्सा निर्माणाधीन था। इनकांडों से साफ है कि चारों राज्यों में प्रगति एक जैसी नहीं है। हरियाणा में निर्माण की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, जबकि पंजाब में बड़ी लंबाई अभी भी निर्माणाधीन है।

हरियाणा में भारतमाला के लिए 1,058 किलोमीटर की परियोजनाएं आवंटित हुई हैं। इनमें 1,011 किलोमीटर का काम पूरा हुआ है चुका था और 47 किलोमीटर निर्माणाधीन था। हिमाचल प्रदेश में 167 किलोमीटर की पूरी स्वीकृत लंबाई आवंटित है, जिसमें 117 किलोमीटर बन चुका है और 50 किलोमीटर पर काम चल रहा है। जम्मू-कश्मीर में कुल चिन्हित लंबाई 433 किलोमीटर है, लेकिन 251 किलोमीटर की परियोजनाएं ही आवंटित हुई हैं। इनमें 179 किलोमीटर पूरा हो चुका है और 72 किलोमीटर निर्माणाधीन है।

पंजाब की तस्वीर सबसे
 अलग है। यहां भारतमाला के कुल
 लंबाई निर्धारित है, जिसमें 1,553
 किलोमीटर की परियोजनाएं
 आवंटित हो चुकी हैं। मई
 2026 तक 881 किलोमीटर का
 निर्माण पूरा हुआ था और 672
 किलोमीटर अभी निर्माणधीन था।
 यानी पंजाब में आवंटित लंबाई का
 लगभग 57 प्रतिशत हिस्सा ही
 पूरा हो पाया है। इससे राज्य में कई
 महत्वपूर्ण आर्थिक और धार्मिक
 संपर्क परियोजनाओं के समय पर
 पूरा होने की चुनौती बनी हुई है।



अर्शदीप सिंह समर
ग्रुप एडिटर, समर एक्सप्रेस

पंजाब में भारतमाला से जुड़े कई प्रोजेक्टों में भूमि उपलब्धता लंबे समय से प्रमुख बाधा रही है। इसका असर लुधियाना-बटिंडा एक्सप्रेसवे और दिल्ली-अमृतसर-कटड़ा एक्सप्रेसवे जैसे महत्वपूर्ण गलियारों पर भी पड़ा है। लुधियाना-बटिंडा परियोजना के दो पैकेजों का काम 2022 में शुरू होना था और अगस्त 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण काम अटक गया। बाद में भूमि उपलब्ध होने के बाद परियोजना को फिर गति दी गई। लुधियाना-बटिंडा मार्ग करीब 75.5 किलोमीटर लंबा है और इसे छह लेन में विकसित किया जा रहा है। परियोजना का उद्देश्य लुधियाना और बटिंडा के बीच आवागमन को तेज करने के साथ आर्थिक गलियारे की कनेक्टिविटी मजबूत करना है। जमीन की समस्या के कारण निर्माण शुरू होने में लंबी देरी हुई। यह उदाहरण बताता है कि परियोजना की मंजूरी और ठेका होने के बाद भी यदि जमीन समय पर उपलब्ध नहीं होती तो निर्माण की पूरी समयसीमा प्रभावित हो जाती है। दिल्ली-अमृतसर-कटड़ा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की देरी की बड़ी मिसाल है। करीब 670 किलोमीटर लंबा यह मार्ग दिल्ली, पंजाब और जम्मू-कश्मीर को

पंजाब में भूमि अधिग्रहण

बेहतर संपर्क देने के साथ अमृतसर और कटरा जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पर्यटन केंद्रों को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा है। परियोजना की समयसीमा कई बार प्रभावित हुई है। पंजाब में इसके तीन महत्वपूर्ण पैकेजों के ठेके भी समाप्त किए जा चुके हैं और ठेकेदार के साथ समझौते की प्रक्रिया पूरी की गई है। संबंधित पैकेजों का संयुक्त मूल्य 3,000 करोड़ रुपये से अधिक बताया गया है।

हरियाणा में किसान विरोध और अन्य अड़चने: हरियाणा में कुल आवाँटित 1,058 किलोमीटर में से 1,011 किलोमीटर का काम पूरा होना इस राज्य की अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति दिखाता है। इसके बावजूद कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। हालाँकि जनकपुर और परियोजना स्तर की सन्नकारि में भूमि, किसानों स्तर के विरोध, पेड़ काटने पर प्रतिबंध, बारिश, खनन पर रोक और अन्य स्थानीय मुद्दों को देरी के कारणों में शामिल किया गया है। कुछ परियोजनाओं में रेलवे की मंजूरी और अतिरिक्त संरचनाओं की मांग भी समयसीमा बढ़ने का कारण बनी। कर्नाल का पूर्वी बाईपास इसका एक उदाहरण है। यह भारतमाला के तहत विकासित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य शहर के भीतर तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर यातायात का दबाव कम करना है। परियोजना को अगस्त 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है, लेकिन ग्रेडेड रिस्पांस प्लान के तहत लगी पाबंदियों और किसानों के आंदोलन के कारण काम प्रभावित हुआ। जून 2026 तक लगभग 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और शेष काम सितंबर 2026 तक पूरा करने की उम्मीद



जताई गई थी। इस परियोजना में किसानों ने बाईपास के दोनों ओर संपर्क मार्ग नहीं बनाए जाने का मुद्दा उठाया था। नवम्बर 2026 में विरोध के दौरान निर्माण कार्य भी रोका गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि मुख्य राजमार्ग का निर्माण पूरा करना ही पर्याप्त नहीं है, उससे जुड़े स्थानीय संपर्क मार्गों, प्रवेश और निकास की व्यवस्था भी समय पर करनी पड़ती है।

■ **पहाड़ी राज्यों में अलग तरह की मुश्किल:** हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में परियोजनाओं की प्रकृति पर्वतीय राज्यों से अलग है। यहां पहाड़ी भूभाग, सुरंगों, पुलों, ढलानों और कठिन मौसम के कारण निर्माण की जटिलता अधिक होती है। मई 2026 तक हिमाचल में आवंटित 167 किलोमीटर में 117 किलोमीटर और जम्मू-कश्मीर में आवंटित 251 किलोमीटर में 179 किलोमीटर का काम पूरा हुआ था। दोनों राज्यों में क्रमशः 50 और 72 किलोमीटर निर्माणाधीन था। जम्मू-कश्मीर में सड़क परियोजनाओं का महत्व केवल यातायात तक सीमित नहीं है। बेहतर सड़क संपर्क पर्यटन, स्थानीय कारोबार और दूरदराज के इलाकों तक पहुंच

के साथ रणनीतिक जरूरतों के लिए भी महत्वपूर्ण है। ऐसे क्षेत्रों में परियोजना की लागत और समय पर मौसम तथा भौगोलिक परिस्थितियों का असर पड़ता है। सरकार ने भी भारी बारिश जैसी परिस्थितियों को राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में देरी के प्रमुख कारणों में शामिल किया है।

• देरी के पीछे कई कारण: केंद्र के अनुसार भारतमाला समेत राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में देरी का एक ही कारण नहीं है। भूमि अधिग्रहण सबसे प्रमुख समस्याओं में है। इसके अलावा वैधानिक और पर्यावरणीय मंजूरियाँ, बिजली-पानी तथा अन्य उपयोगिता सेवाओं को स्थानांतरित करना, अतिक्रमण हटाना, कानून-व्यवस्था की स्थिति, निर्माण समझौते और खनिजों की उपलब्धता तथा ठेकेदार या रियायतग्राही का कमजोर प्रदर्शन भी काम की गति प्रभावित करते हैं।

कोविड-19 महामारी और भारी बारिश जैसी परिस्थितियों को भी अप्रत्याशित कारणों में शामिल किया गया है। इन अड़चनों का असर केवल परियोजना की समयसीमा से लाता पड़ता। निर्माण अवधि बढ़ने से नए बृद्धि की आशंका रहती है, जबकि बहुरे

मांगों के कारण लोगों को वैकल्पिक राहों पर निर्भर रहना पड़ता है। कई जगह निर्माणाधीन सड़क के कारण यातायात प्रबंधन भी चुनौती बन जाता है। वहीं, जमीन अधिग्रहण से जुड़े विवाद लंबे समय तक बने रहने पर स्थानीय लोगों और परियोजना एजेंसियों के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है।

■ **सरकार ने अपनाए कई उपाय, 2026 के लक्ष्य पर नजर:** केंद्र ने देरी कम करने के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को तेज करने के लिए 'प्रथम राशि' पोर्टल का इस्तेमाल बढ़ाया है। पर्यावरण और वन संबंधी मंजूरीयों को गति देने के लिए 'परिवेश' पोर्टल से भी बेहतर किया गया है। रेलवे को से जुड़े ओवरब्रिज और अंडरक्रिज के सामान्य व्यवस्था रेखाचित्रों की मंजूरी के लिए ऑनलाइन व्यवस्था लागू की गई है। इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकारों के स्तर पर समीक्षा बैठकें कर परियोजना-विशेष की बाधाओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार के सामने अब दोहरी चुनौती है। एक ओर 2026 में पूरा होने वाले कई खंडों को संशोधित समयसीमा में पूरा करना है, दूसरी ओर

भारतमाला के पहले चरण के शेष काम को 2028-29 तक खत्म करना है। चारों राज्यों में 841 किलोमीटर निर्माणाधीन लंबाई को देखते हुए आने वाले दो-तीन वर्ष महत्वपूर्ण होंगे। खासकर पंजाब में 672 किलोमीटर का निर्माण बाकी होना बताया है कि यहां परियोजनाओं की रफ्तार बढ़ाना सबसे जरूरी है।

अर्थव्यवस्था और संपर्क पर
असर : भारतमाला के इन गलियारों का उद्देश्य केवल शहरों को जोड़ने नहीं है। पर्योजना के तहत तेज सड़क संपर्क से माल ढुलाई का समय कम करने, औद्योगिक केंद्रों, बंदरागाहों, हवाई अड्डों और लॉजिस्टिक केंद्रों को जोड़ने तथा यात्रा-समय घटाने की योजना है। पंजाब से जम्मू-कश्मीर और हिमाचल तक बेहतर सड़क नेटवर्क कृषि, उद्योग, पर्यटन और धार्मिक यात्रा के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए देश का सीधा असर क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है।

अब समय पर पूरा करना चुनौती
भारतामाला का बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका है, लेकिन उत्तर भारत के लगभग चार राज्यों में परियोजनाओं की कार्यशेष लंबाई अब भी महत्वपूर्ण है। सरकार ने नई परियोजनाएँ जोड़ने के बजाय पहले से मंजूर कामों को पूरा करने की नीति अपनाई है। ऐसे में आने वाले समय में राजमीन, मंजूरीयों और ठेकेदार संबंधी समस्याओं को समय रहते सुलझाना निर्णायक होगा। यदि 2026 के संशोधित लक्ष्य और 2028-29 की व्यापक समयसीमा के अनुसार काम आगे बढ़ता है तो यह नेटवर्क उत्तर भारत की सड़क और आर्थिक कनेक्टिविटी को बढ़ावा दे सकता है।

2027 के विधानसभा चुनाव से पहले 15 ईसाई और 19 मुस्लिम बनाए हलका प्रमुख

अकाली दल की नई सोशल इंजीनियरिंग अल्पसंख्यक समुदायों को संगठन में जगह

समर न्यूज | चंडीगढ़



2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले शिरमोण अकाली दल (शिअद) के संगठन के स्तर पर नई संसदीय समाजिक रणनीति अपनाई है। पार्टी अध्यक्ष सुखवीर सिंह बादल ने राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में ईसाई और मुस्लिम समुदायों से जुड़े नेताओं को हलका प्रमुख नियुक्त किया है। पार्टी नेता ने फिलहाल 15 ईसाई और 19 मुस्लिम नेताओं को यह नियुक्ती दी है। शिअद का कहना है कि दोनों अल्पसंख्यक समुदायों ने पंजाब के सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और संगठन में उन्हें प्रतिनिधित्व देना पार्टी की समावेशी सोच का हिस्सा है। आने वाले दिनों में ऐसे और नियुक्तियाँ किए जाने की संभावना है।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब शिअद को अपने परंपरागत राजनीतिक आधार को मजबूत करने के साथ-साथ पार्टी से अलग हुए गुटों की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। गियानी हरीप्रत सिंह के नेतृत्व वाला शिअद (पुनर संगठित) और खड़क साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह से जुड़ा अकाली दल वारिस पंजाब दे सिख मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में शिअद का प्रवास केवल संगठन का विस्तार करना नहीं, बल्कि अलग-अलग सामाजिक समूहों तक राजनीतिक पहुंच बढ़ाना भी माना जा रहा है। शिअद लड़ने समय से पंजाब की सिख राजनीति और ग्रामीण सिख मतदाताओं के बीच मजबूत आधार वाला दल रहा है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में पार्टी को राजनीतिक और संगठनात्मक स्तर पर कई झटकों का सामना करना पड़ा। 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन

कमजोर रहा और 2025 के विधानसभा उपचुनाव में भी उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिली। इसके साथ ही अकाली राजनीति में अलग-अलग गुट सक्रिय हुए हैं। ऐसे में पार्टी नेतृत्व अलग अपने संगठन को व्यापक सामाजिक आधुनिकी देने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। ईसाई और मुस्लिम नेताओं को हलका स्तर पर जिम्मेदारी देने का निर्णय इसी प्रणाली का हिस्सा है। पंजाब में दोनों समुदायों की आबादी राज्य के सभी हिस्सों में समान रूप से नहीं है, लेकिन कई विधानसभा क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव महत्वपूर्ण है। खासकर सीमावर्ती जिलों और दोआब-माझा क्षेत्र के कुछ हिस्सों में अल्पसंख्यक मतदाता चुनावी समीकरण प्रभावित कर सकते हैं।

● केवल निगुंवियां नहीं, संगठन विस्तार: शिअद के महासचिव दलजीत सिंह चौमा ने कहा है कि ईसाई और मुस्लिम समुदायों के लिए अलग समुदायतात्मक समितियां भी बनाई जाएंगी। इसका मतलब है कि पार्टी केवल चुनाव के समय इन समुदायों तक पहुंच बनाने के बजाय उनसे बीच-स्थायी संगठन खड़ा करना चाहती है। हलका प्रमुखों की भूमिका विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों को संचालित करने, कार्यकर्ताओं को जोड़ने, स्थानीय मुद्दों को नेतृत्व तक पहुंचाने और चुनावी तैयारी को गति देने में महत्वपूर्ण होती है। इसलिए अल्पसंख्यक समुदायों के

नेताओं को यह जिम्मेदारी देना पार्टी के संगठनात्मक ढाँचे में उनकी भूमिका बढ़ाने का संकेत है। यह रणनीति उस समय सामने आई है जब पंजाब की राजनीति में सभी प्रमुख दल सामाजिक समूहों के बीच अपना आधार मजबूत करने में जुटे हैं। आम आदमी पार्टी सरकार धार्मिक और सांस्कृतिक पहुंच बढ़ाने वाले कार्यक्रमों पर जोर दे रही है, जबकि भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक नियुक्तियों के जरिए विभिन्न सामाजिक समूहों को साधने की कोशिश कर रही है। ऐसे माहौल में शिअद का अल्पसंख्यक समुदायों पर ध्यान देना चुनावी प्रतिस्पर्धा को और दिलचस्प बना सकता है।

■ **गुवाजी भी बड़ी चुनौती:** शिअद के लिए सोशल इंजीनियरिंग की जरूरत केवल चुनावी विस्तार तक सीमित नहीं है। पार्टी के भीतर और बाहर अकाली राजनीति के अलग-अलग केंद्र बनने से नेतृत्व के सामने अपने परंपरागत संगठन को एकजुट रखने की चुनौती भी है। पूर्व अकाली नेताओं और धार्मिक क्षेत्र से जुड़े कुछ प्रभावशाली चेहरों में अलग मंच बनाए है। शिअद (पुनर संगठित) की गतिविधियों और अमृतपाल सिंह से जुड़े राजनीतिक प्रयास पार्टी के लिए खास तौर पर चुनौती माने जा रहे हैं। अगस्त में संत हरचंद सिंह लोणावाल की बरसी के मौके पर शिअद और उसके अलग हुए गुट ने अलग-अलग कार्यक्रम

के। इससे अकाली राजनीति में जारी विभाजन एक बार फिर सामने आया। शिदद नेतृत्व का सामने के परिणामित दो मुद्दों हैं। पहला, पार्थ के परंपरागत सिख मतादाताओं को अपने साथ बनाए रखना और दूसरा, उन सामाजिक समूहों में फकड़ बढ़ाना जहाँ उसका संघटन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है। ईसाई और मुस्लिम हलका प्रमुखों की अनुपस्थिति इसी दोहरी रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

पंथक राजनीति के बीच संतुलन...

शिरोमणि अकाली दल की राजनीति में पंथक मुद्दों का महत्व हमेशा रहा है। 2015 के बेजयि और पुलिस गोलोलीवारी की घटनाओं को लेकर पार्टी अभी भी राजनीतिक आलोचना का सामना कर रही है। सुखबीर बादल जून 2015 में इन मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल के समक्ष भी पेश हुए थे। ऐसे मुद्दों ने पार्टी के लिए अपने पारंपरिक मतदाताओं के बीच भरोसा कम करना चुनौतीपूर्ण बनाया है। दूसरी ओर, अकाली राजनीति से जुड़े कुछ मुद्दों और सिख बंदियों जैसे विषयों को जोर-शोर से उठा रहे हैं। इससे शिदद के लिए यह जरूरी हो गया है कि वह अपने पारंपरिक आधार को बनाए रखते हुए व्यापक सामाजिक गठजोड़ तैयार करें ताकि वह 2027 के निर्वाचनसभा चुनाव के लिए संघटन को निचले स्तर तक मजबूत कर सकें।

‘रील्स’: बच्चों की भाषा सीखने की क्षमता पर असर

विशेषज्ञों ने चेताया- लगातार स्क्रीन देखने से बातचीत, खेल और किताबों के लिए घट रहा समय

एजेंसी | नई दिल्ली

छोटे बच्चों को मोबाइल फोन लगातार वीडियो, 'रील्स' और 'शॉर्ट्स' दिखाना उनके भाषा विकास के लिए नुकसानदेह हो सकता विशेषज्ञों का कहना है कि समस्त केवल स्क्रीन देखने की अवधि न बल्कि उसके कारण बच्चे और माता पिता के बीच होने वाली बातचीत कहानी-किताब, खेल और आम सामने संवाद का कम होना है।

ऐसे माहिले में कुछ बच्चों में बोलने और भाषा समझने की क्षमता अपेक्षाकृत धीमी विकसित हो सकती है। बालक विषयों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में बोलने में देरी की शिकायत लेकर छोटे बच्चों को चिकित्सकों के पास लाने वाले अभिभावकों की संख्या बढ़ी है। ऐसे मामलों में बच्चे की सुनने की क्षमता, तंत्रिका तंत्र और दूसरे विकास संबंधी पहलुओं की जांच सामान्य है। बालक को उसके दैनिक जीवन अत्यधिक स्क्रिन इस्तेमाल और सीमित पारिवारिक संवाद सामान्य आ सकता

हलांकि, विशेषज्ञ यह भी स्पष्ट करते हैं कि बोलने में देरी का कारण केवल स्क्रीन नहीं होता। सुनने में समस्या, विकास संबंधी स्थितिज नौ, पाँचवाँक वातावरण और बालों को मिलने वाला संवाद भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेषज्ञों मुताबिक 'रीस' और 'शॉर्ट्स' जैसे वीडियो बहुत कम समय में लगाए बदलते दृश्य और आवाजें प्रस्तुत करते हैं। इससे बच्चे को एक के बजाए एक नया उत्तेजन केंद्र मिलता रहता है। इसके विपरीत किताब सुनने खिलौनों से खेलना, बातचीत करना या किसी गतिविधि को पूरा करना अपेक्षाकृत धीमी प्रक्रिया है। इसलिए यदि बच्चा लगातार तेजी गति वाले वीडियो देखने का अभ्यस हो जाए तो अन्य गतिविधियाँ उस पर आकर्षक लग सकती हैं।

बच्चों में मोबाइल स्क्रीन और भाषा विकास के बीच संबंध को लेकर हाल के शोधों में भी चिंता साम्य आई है। 2024 में 31,125 दो और तीन वर्ष के बच्चों पर किए गए एक बड़े अध्ययन में पाया कि प्रतिदिन एक घंटे या उससे अधिक मोबाइल उपकरण इस्तेमाल करने वाले बच्चों में भाषा विकास के कमजोर स्तर और भाषा संबंधित कठिनाइयों की संभावना अधिक थी। दो घंटे या उससे अधिक स्क्रीन इस्तेमाल करने वाले बच्चों में यह संबंध और मजबूत पाया गया। अध्ययन में यह भी संकेत मिला कि बच्चे को नियमित रूप से पढ़कर सुनाना भाषा समझने से जुड़ी कुछ कठिनाइयों के नकारात्मक प्रभाव को कम करने में मदद कर सकता है। एक अन्य अध्ययन में 12 से 36 महीने के बच्चों और उनके माता-पिता के बीच बातचीत का विश्लेषण किया गया। इसमें यह देखा गया कि स्क्रीन का इस्तेमाल उस समय को प्रभावित कर सकता है, जो माता-पिता और बच्चे के बीच बातचीत के लिए उपलब्ध रहता है। शुरुआती वर्षों में भाषा सीखने के लिए बच्चे का शब्द सुनना, अपनी आवाज निकालना और बातचीत में बारी-बारी से हिस्सा लेना बेहद महत्वपूर्ण है। 2026 में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन भी स्क्रीन इस्तेमाल, उसकी सांग और अभिभावक के साथ मिलकर स्क्रीन देखने जैसे कारकों को बच्चे के भाषा तथा कार्यकारी कौशल के विकास के संदर्भ में देखा है। शोधकर्ताओं ने माना कि स्क्रीन और विकास के संबंध को समझने में केवल कुल समय ही नहीं, बल्कि कंटेंट और बच्चे के साथ



वयस्क की भागीदारी जैसे संदर्भ भी महत्वपूर्ण है।

- **विविध स्वास्थ्य संगठन की सलाह:** विविध स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार एक वर्ष के बच्चों के लिए मनोरंजन के रूप में स्क्रीन टाइम की सिफारिश नहीं की गई है। दो वर्ष की उम्र में स्क्रीन आधारित निष्क्रिय गतिविधि को एक घंटे से अधिक नहीं रखने और इससे कम रखना बेहतर बताया गया है। तीन से चार वर्ष के बच्चों के लिए भी स्क्रीन टाइम एक घंटे तक सीमित रखने की सलाह है। संगठन ने स्क्रीन के स्थान पर सक्रिय खेल और अभिभावक के साथ पढ़ने, कहानी सुनाने और बातचीत जैसी गतिविधियों को महत्वपूर्ण बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार शुरुआती बचपन शारीरिक और संज्ञानात्मक विकास की तेज अवधि है। इस दौरान परिवार की दिनचर्या और बच्चे की आदतें बनती हैं। इसलिए लंबे समय तक बैठे रहकर स्क्रीन देखने की जगह सक्रिय खेल, पर्याप्त नींद और अभिभावक के साथ संवाद को प्राथमिकता देना जरूरी है।
- **भोजन और बेडरूम में स्क्रीन**

से दूरी: विशेषज्ञ अभिभावकों की भोजन के दौरान मोबाइल या टैबलेट देने से बचने की सलाह देनी है। बच्चे को खाना खिलाने के लिए लगातार वीडियो चलाने की आदत बनने पर भोजन के साथ स्क्रीन का संबंध मजबूत हो सकता है। इससे बच्चा बिना वीडियो के खाना खाए भी आनंदगामी कर सकता है। इसी तरह गायन/नृत्य के स्क्रीन-मुक्त रखना उपयोगी है। सोने से पहले स्क्रीन का इस्तेमाल घटाने से बच्चे की नींद की दिनचर्या बेहतर रखने में मदद मिल सकती है।

■ वातवीत ही भाषा सीखने का आधार: छोटे बच्चे केवल शब्द सुनकर नहीं, बल्कि उनसे प्राप्त वातवीत परिस्थितियों में इस्तेमाल होते देखकर भाषा सीखते हैं। इसलिए माता-पिता बच्चे से दिनभर की सामान्य गतिविधियों के दौरान बात करें। कपड़े पहनाने समय रंग और चीजों के नाम बताना, खाना बनाने समय सामग्री के बारे में बताना, बाहर जाते समय आसपास की चीजों पर बात करना और बच्चे के सवालों का जवाब देना भाषा सीखने के अवसर बढ़ा सकता है।

रक्षाबंधन: एक दिन मुफ्त बस यात्रा कर सकेंगी महिलाएं, 15 वर्ष तक के बच्चों को भी छूट

27 अगस्त दोपहर से शुरू होगी सुविधा, अंबाला डिपो में 131 और नारायणगढ़ डिपो में करीब 35 बसें उपलब्ध, कुल कुल 166 बसों का संचालन किया जाएगा

अंकुर कपूर | अंबाला
समर न्यूज़

रक्षाबंधन के पर्व पर हरियाणा सरकार ने महिलाओं को बड़ी राहत देते हुए निशुल्क बस यात्रा की सुविधा देने का फैसला किया है। यह सुविधा 27 अगस्त दोपहर से शुरू होकर 28 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे तक जारी रहेगी। महिलाओं के साथ 15 वर्ष तक के बच्चे भी बिना किराया

यात्रा कर सकेंगे। निशुल्क यात्रा की सुविधा हरियाणा रोडवेज के अलावा चंडीगढ़ और दिल्ली तक जाने वाली बसों में भी लागू रहेगी।

अंबाला छावनी बस स्टैंड पर रक्षाबंधन को लेकर यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष तैयारियों की गई हैं। बस स्टैंड प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि अंबाला डिपो में 131 और नारायणगढ़ डिपो में करीब 35 बसें उपलब्ध हैं। रक्षाबंधन के



दौरान कुल 166 बसों का संचालन किया जाएगा। यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है और कई कर्मचारियों की छुट्टियां भी रद्द की गई हैं।



उन्होंने बताया कि बसों के संचालन और उपलब्धता की जानकारी यात्रियों को बस स्टैंड की इंकवायरी के माध्यम से लगातार दी जाएगी। महिलाओं से अपील की गई है कि बस में चढ़ते समय धक्का-मुक्की से बचें और चालक-परिचालक तथा बस स्टैंड कर्मचारियों के साथ सहयोग करें। यात्रियों की संख्या को देखते हुए जरूरत के अनुसार बसें उपलब्ध कराने का प्रयास किया

जाएगा। रक्षाबंधन पर निजी बसों में भी महिलाओं और उनके साथ 15 वर्ष तक के बच्चों को निशुल्क यात्रा की सुविधा देने के निर्देश जारी किए गए हैं। निजी बसों में महिलाओं से किराया न वसूला जाए, इसे सुनिश्चित करने के लिए आरटीए विभाग के अधिकारी और कर्मचारी बस स्टैंड पर तैनात रहेंगे। साथ ही महिलाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने पर भी

निगरानी रखी जाएगी। निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलने से महिलाओं में खुशी का माहौल है। महिलाओं ने सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि रक्षाबंधन पर उन्हें अपने मायके जाने में आर्थिक राहत मिलेगी। उनका कहना है कि किराए की चिंता किए बिना वे आसानी से अपने भाइयों से मिलने जा सकेंगी। महिलाओं ने इसके लिए सरकार का आभार जताया।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल पर मुख्यमंत्री खुद संभालेंगे मोर्चा

■ मुंबई से लौटने के बाद कर्मचारी नेताओं से बातचीत की तैयारी, नियमितीकरण और समान वेतन प्रमुख मुद्दे
समर न्यूज़ | चंडीगढ़



हरियाणा में सफाई और अग्निशमन कर्मचारियों की हड़ताल के बीच मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अब खुद गतिरोध दूर करने के प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री के मुंबई से लौटने के बाद कर्मचारी नेताओं के साथ बातचीत की संभावना है। कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर हड़ताल को 27 अगस्त तक बढ़ा दिया है। कर्मचारियों की प्रमुख मांग लंबे समय से काम कर रहे अस्थायी और संविदा कर्मचारियों को नियमित करने तथा नियमित कर्मचारियों के

समान वेतन और सेवा लाभ देने की है। सरकार का कहना है कि कर्मचारियों की अधिकांश मांगों पर सहमति बन चुकी है, लेकिन सभी अस्थायी सफाई कर्मचारियों के व्यापक नियमितीकरण में कानूनी और संवैधानिक अड़चनें हैं। राज्य सरकार का कहना है कि

नियमितीकरण के बजाय कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से नियमित कर्मचारियों के वेतनमान के अनुरूप वित्तीय लाभ देने का प्रस्ताव रखा गया है। सरकार ने कर्मचारियों से हड़ताल समाप्त कर काम पर लौटने की अपील की है, लेकिन कर्मचारी नियमितीकरण की मांग पर कायम है।

बातचीत से समाधान की उम्मीद: मुख्यमंत्री के स्तर पर बातचीत से गतिरोध टूटने की उम्मीद है। सरकार के सामने एक ओर कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने और दूसरी ओर न्यायालय के निर्देशों तथा कानूनी सीमाओं का पालन करने की चुनौती है। अब सभी की नजर मुख्यमंत्री और कर्मचारी प्रतिनिधियों के बीच प्रस्तावित वार्ता पर है।

करनाल में प्रशासन एवं सफाई कर्मचारी आमने-सामने, 20 से अधिक हिरासत में

राकेश कुमार शर्मा | करनाल
समर न्यूज़



लंबे समय से जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच करनाल प्रशासन ने अब सख्त रुख अपनाते हुए शहर की सफाई व्यवस्था बहाल करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। मंगलवार देर शाम नगर निगम के वाहन यार्ड को खाली करवाने पहुंची पुलिस और धरने पर बैठे सफाई कर्मियों में तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने मौके से करीब 20 से 30 महिला और पुरुष सफाई कर्मचारियों को हिरासत में लिया। प्रशासन की ओर से अब नगर निगम के सफाई वाहनों को यार्ड से बाहर निकालकर शहर में कूड़ा उठाने की तैयारी की जा रही है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण शहर के कई हिस्सों में जगह-जगह

हिसार में बाइक सवार पांच युवकों ने तीन जगह की फायरिंग

समर न्यूज़ | हिसार

शहर में मंगलवार सुबह दो बाइकों पर सवार पांच युवकों ने अलग-अलग स्थानों पर फायरिंग कर सनसनी फैला दी। बदमाशों ने पहले एक कारोबारी के घर के बाहर गोलियां चलाईं, इसके बाद प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय को निशाना बनाया और फिर नई सब्जी मंडी के पास हवाई फायरिंग की। राहत की बात रही कि तीनों घटनाओं में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। लगातार हुई फायरिंग से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। सुबह करीब 9:30 बजे पांच युवक दो बाइकों पर सवार होकर टीना दामाशेर पहुंचे। राहत वाली नंबर सात में कारोबारी अरुण के घर के बाहर पहुंचकर आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

अंबाला में आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं का बढ़ा आतंक, छात्रा घायल

कपूर | अंबाला
समर न्यूज़



शहर में आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं की बढ़ती समस्या ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। आए दिन आवारा कुत्तों के हमले में बच्चे और महिलाएं घायल हो रहे हैं। वहीं अब स्कूल से घर लौट रही एक छात्रा पर बेसहारा सांड ने हमला कर दिया। सांड ने छात्रा को दो बार उठाकर पटक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत छात्रा को सांड के चंगुल से बचाया और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि छात्रा सड़क से गुजर रही थी, तभी

सांड ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों के समय रहते पहुंचने से छात्रा को सुरक्षित बचाया जा सका।

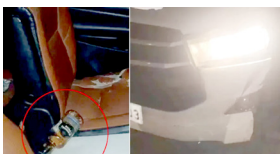
आवारा कुत्तों के हमलों से भी शहर के कई इलाकों में लोग परेशान हैं। पीड़ित परिवारों का कहना है कि कुत्तों के झुंड बच्चों और महिलाओं को निशाना बना रहे हैं। एक महिला ने बताया कि उसके बेटे पर आवारा कुत्तों ने हमला कर उसकी टांग बुरी तरह नोच दी थी। बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा, जहां उसे कई इंजेक्शन लगाए गए।



महिला ने नगर परिषद में शिकायत देकर आवारा कुत्तों को पकड़ने की मांग भी की थी। नगर परिषद अंबाला कैट के ईओ देवेन्द्र नरवाल ने बताया कि आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं की समस्या अलग-अलग है। बेसहारा पशुओं को गौशाला में भेजा जाता है, लेकिन वहां क्षमता सीमित होने के कारण अधिक पशुओं को रखने में परेशानी आती है।

कैथल में मकान से टकराई गाड़ी पुलिसकर्मियों पर नशे का आरोप

समर न्यूज़ | कैथल



कैथल जिले में सोमवार रात डायल-112 की एक गाड़ी मकान के गेट से टकरा गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने वाहन में शराब की बोतल मिलने पर उसमें सवार तीन पुलिसकर्मियों पर नशे में होने का आरोप लगाया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। शिकायतकर्ता कुलदीप सिंह चीमा के अनुसार, रात करीब नौ बजे डायल-112 की गाड़ी तेज रफ्तार में उनके मकान के गेट से टकराई। टक्कर से वाहन का अगला हिस्सा

क्षतिग्रस्त हो गया और एक टायर भी फट गया। हादसे के समय गाड़ी में एसपीओ जागीर सिंह, एसपीओ सुखविंद सिंह और इंस्पेसी दीपक मौजूद थे। वाहन में शराब की बोतल दिखाई दी। थाना प्रभारी जयभगवान और अतिरिक्त थाना प्रभारी रामपाल ने घटनास्थल का जायजा लिया और तीनों कर्मचारियों को मेडिकल जांच के लिए भेज दिया।

अंबाला में बदलते मौसम का असर, अस्पतालों में बढ़े मरीज

अंकुर कपूर | अंबाला
समर न्यूज़



बदलते मौसम और कभी बारिश तो कभी तेज धूप के बीच उमस भरी गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर भी दिखाई देने लगा है। अंबाला छावनी के नागरिक अस्पताल की ओपीडी में इन दिनों मरीजों की संख्या बढ़ी हुई है। अधिकांश लोग खांसी, जुकाम, बुखार, गले में खराश और एलर्जी जैसी समस्याओं के उपचार के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। अस्पताल पहुंचे लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार

बदलाव हो रहा है। कभी बारिश और उसके बाद तेज धूप निकलने से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बढ़ रही हैं। कई लोगों ने बताया कि उन्हें बार-बार बुखार, खांसी और जुकाम की शिकायत हो रही है। दवा लेने के बाद कुछ राहत मिलती है, लेकिन मौसम बदलते ही समस्या दोबारा शुरू हो जाती है। लोगों के अनुसार वे बचाव

के उपाय कर रहे हैं, फिर भी उमस और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण बीमारियों से राहत नहीं मिल रही। अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे लोगों ने बताया कि नागरिक अस्पताल में डॉक्टरों की ओर से जांच के बाद दवाएं दी जा रही हैं और उपचार की उचित व्यवस्था है। लोगों ने मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य के

प्रति अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत बताई। अंबाला छावनी नागरिक अस्पताल की पीएमओ डॉ. पूजा पेंटल ने भी मौसम में अचानक हो रहे बदलाव को स्वास्थ्य के लिए चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि बरसात के मौसम में साफ और सुरक्षित पानी का सेवन करें।

निरीक्षण

पुलिस अधीक्षक ने थाना होडल का किया औचक निरीक्षण

पलवल एसपी के सख्त निर्देश, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

सुंदर कुंडू | पलवल
समर न्यूज़



पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को अपराध और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने तथा आमजन की शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुलिस कार्यप्रणाली में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपराधियों से सख्ती से निपटने के साथ पुलिसकर्मियों को आमजन के साथ मित्रवत व्यवहार करना होगा। पुलिस अधीक्षक लघु सचिवालय होडल में आयोजित शिकायत निवारण शिविर की अध्यक्षता कर रहे

थे। इस दौरान उन्होंने डीएसपी सुरेश भड़ना, थाना होडल प्रभारी निरीक्षक बलजीत सिंह और अनुसंधान अधिकारियों के साथ थाना होडल व हसनपुर से संबंधित फ़ाइल डायरी की समीक्षा की। उन्होंने लंबित मामलों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को अपराध पर अंकुश लगाने और मामलों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। नीतीश अग्रवाल ने कहा कि जिले में गैरकानूनी गतिविधियों

में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को प्रभावी गश्त और नाकाबंदी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बिना उचित कारण केस फाइल लंबित रखने वाले अधिकारियों को फटकार लगाते हुए मामलों का जल्द निस्तारण करने को कहा गया। इससे पहले पुलिस अधीक्षक ने थाना होडल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने थाने में

लंबित मामलों और अन्य मदों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही थाना परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। होडल उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविर के दौरान व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक में क्षेत्र की सुरक्षा और

कानून व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। एसपी ने बताया कि शिकायत निवारण शिविर का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और पुलिस तथा जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। शिविर में कुल आठ शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें मारपीट के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी, पारिवारिक विवाद और जमीन से जुड़े मामले प्रमुख रहे।

समर न्यूज़ | झज्जर

हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी संजय दत्त और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र ने मंगलवार को झज्जर पहुंचकर प्रीति गार्डन में आयोजित पार्टी की संवाद बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में झज्जर, बेरी, बादली और बहादुरगढ़ ब्लॉक के पदाधिकारियों के साथ संगठन की मौजूदा स्थिति, आगामी कार्यक्रमों और पार्टी की गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल और विधायक कुलदीप वत्स ने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इसके बाद विभिन्न ब्लॉकों के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग दौर में बैठकें हुईं। इनमें



पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और कांग्रेस की नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाने की रणनीति पर विचार-विश्लेष किया गया। बैठक के दौरान नेताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया।

कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता के बीच ले जाने का आह्वान किया गया। आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपने और आपसी समन्वय बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

विधानसभा के बाहर आमने-सामने सत्ता पक्ष और विपक्ष के गंभीर आरोपों से गरमाया माहौल, जमकर नारेबाजी



संजु | शिमला
समर न्यूज

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने नजर आए। विधानसभा परिसर के बाहर दोनों पक्षों ने अलग-अलग प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

हाथों में तख्तियां लेकर नेताओं ने सरकार और विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए, जिससे माहौल पूरी तरह राजनीतिक रंग में रंगा रहा।विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के नेतृत्व में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। भाजपा ने हिमकेयर और सहारा योजना को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। भाजपा नेताओं का आरोप है कि प्रदेश की इन महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं को कमजोर किए जाने



से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि लाखों लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली योजनाओं को जारी रखना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमकेयर योजना प्रदेश के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण रही है और इसके जरिए बड़ी संख्या में हिमाचलवासियों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला।

उन्होंने सरकार पर योजना को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे आम जनता के हित प्रभावित हो रहे हैं। जयराम ठाकुर ने सत्ता पक्ष के प्रदर्शन पर भी पलटवार किया और दावा किया कि कांग्रेस को अभी से विपक्ष में बैठने की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

वहीं, सत्ता पक्ष की ओर से उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अगुवाई में भाजपा के खिलाफ

प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार समेत कई मुद्दों को उठाते हुए विपक्ष पर निशाना साधा।

मुकेश अग्निहोत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा देश और प्रदेश से जुड़े ज्वलंत मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रदर्शन की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस आगामी चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी और सत्ता में वापसी को लेकर भाजपा के दावों का जनात जवाब देगी।

विधानसभा के चौथे दिन सदन के बाहर हुए इन प्रदर्शनों से साफ है कि मानसून सत्र के दौरान राजनीतिक टकराव लगातार बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में भी दोनों दल एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक रुख बनाए रख सकते हैं।

रोजगार के मुद्दे पर सदन में हंगामा, मुख्यमंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने किया प्रदर्शन

संजु | शिमला
समर न्यूज

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन प्रश्नकाल के दौरान बेरोजगारी और आउटसोर्स भर्तियों को लेकर सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। विपक्ष ने युवाओं को रोजगार देने के मुद्दे पर सरकार को घेरा। मुख्यमंत्री के जवाब से असंतुष्ट भाजपा विधायक सदन से बाहर निकल आए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मीडिया से बातचीत में विपक्ष ने प्रदेश सरकार पर युवाओं से किए वादे पूरे नहीं करने और आउटसोर्स भर्तियों में पारदर्शिता नहीं बरतने के आरोप लगाए।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले प्रदेश के युवाओं को हर साल एक लाख नौकरियां देने का वादा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का करीब चार साल का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है, लेकिन युवाओं को रोजगार नहीं मिला। जयराम ठाकुर ने कहा कि युवाओं का वोट लेकर सत्ता हासिल करने वाली कांग्रेस अब अपने वादों से पीछे हट रही है। विपक्ष का आरोप है कि सदन में रोजगार से जुड़े सवाल का स्पष्ट जवाब देने के बजाय राजनीतिक बातों की गई। जयराम ठाकुर ने आउटसोर्स कंपनियों के पंजीकरण को लेकर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों से जुड़े लोगों के नाम पर कंपनियां रजिस्टर की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने



युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें इंतजार में रखा है। वहीं, पूर्व मंत्री एवं विधायक बिक्रम ठाकुर ने आउटसोर्स भर्तियों को लेकर सरकार से कई सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि सदन में भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी आवाज दबाई गई। बिक्रम ठाकुर ने पूछा कि आउटसोर्स के माध्यम से नौकरियां किस मेरिट के आधार पर दी जा रही हैं और क्या भर्ती के लिए किसी तरह का पैसा लिया जा रहा है। उन्होंने विजिलेंस जांच को लेकर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या जांच केवल विपक्षी नेताओं तक सीमित रहेगी या फिर आउटसोर्स भर्तियों की भी निष्पक्ष जांच होगी। बिक्रम ठाकुर ने पूरे मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से करवाने की मांग की।

सुख्खू का भाजपा पर हमला, बोले- व्हाइट पेपर कमेटी सामने लाएगी भ्रष्टाचार के तथ्य

संजु | शिमला
समर न्यूज

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष बिना मुद्दे के राजनीति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकाल के दौरान कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए सरकार ने व्हाइट पेपर कमेटी का गठन किया है। कमेटी अपनी जांच पूरी करने के बाद सामने आए तथ्यों को जनता के सामने रखेगी।

सुक्खू ने विधानसभा में रोजगार के मुद्दे पर विपक्ष के वॉकआउट को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल के दौरान रोजगार से जुड़े सवाल पर करीब आधे घंटे तक चर्चा हुई। विपक्ष को सवाल पूछने और अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद भाजपा विधायक दल



ने सदन से वॉकआउट कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष को पर्याप्त समय दिया और रोजगार के मुद्दे पर चर्चा भी कराई गई। ऐसे में बार-बार अतिरिक्त सवाल पूछने की जित करना और फिर सदन से बाहर चले जाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को विधानसभा के भीतर रहकर महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए।सुक्खू ने कहा कि विधानसभा में अभी स्वास्थ्य और रोजगार समेत कई अहम विषयों पर चर्चा होनी है। सरकार विपक्ष के

हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्ता पक्ष किसी भी मुद्दे पर चर्चा से पीछे नहीं हटेगा और विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले सवालों का तथ्यों के साथ जवाब दिया जाएगा।

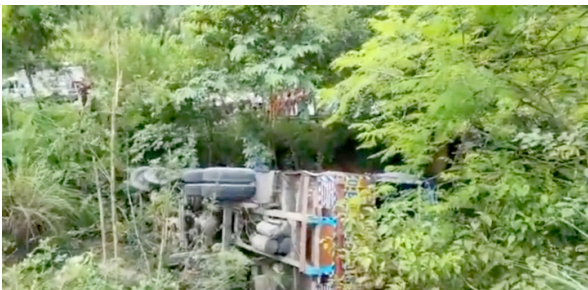
मुख्यमंत्री ने कहा कि व्हाइट पेपर कमेटी की जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उन्हें सार्वजनिक किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य प्रदेश की जनता के सामने फिछली सरकार के कार्यकाल से जुड़े मामलों की वास्तविक स्थिति रखना है।

धार्मिक स्थल से लौट रहे श्रद्धालुओं का ट्रक खाई में गिरा, 40 से अधिक घायल

राकेश | ऊना
समर न्यूज

धार्मिक स्थल पीर निगाह में माथा टेककर वापस लौट रहे हरियाणा के श्रद्धालुओं का जत्था मंगलवार सुबह हादसे का शिकार हो गया। पीर निगाह मंदिर से करीब दो किलोमीटर दूर उतराई में श्रद्धालुओं से भरा 14 टायर वाला मालवाहक वाहन चालक के नियंत्रण से बाहर होकर सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में करीब 40 श्रद्धालुओं के घायल होने की सूचना है।

घायलों में महिलाएँ, पुरुष और बच्चे भी शामिल हैं।हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और राहत दलों की मदद से सभी घायलों को दुर्घटनाग्रस्त वाहन से बाहर निकालकर उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचाया गया। अस्पताल में करीब 35 श्रद्धालुओं के उपचार के लिए पहुंचने की जानकारी सामने आई



है।डॉक्टरों के अनुसार अधिकांश घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया, जबकि कुछ श्रद्धालुओं को गंभीर चोटें आई हैं। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए पीजीआई रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक हरियाणा के करनाल जिले के इंद्री सहित पानीपत, फतेहबाद और आसपास के अन्य क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का जत्था रविवार को पीर निगाह पहुंचा था। श्रद्धालुओं ने धार्मिक स्थल पर माथा टेकने के साथ लंगर भी लगाया। मंगलवार सुबह उन्हें माता नैना देवी और श्री आनंदपुर साहिब

में माथा टेकने के बाद वापस हरियाणा लौटना था।इसी दौरान पीर निगाह मंदिर से कुछ दूरी पर उतराई में वाहन चालक मालवाहक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया। वाहन सड़क से नीचे उतरते हुए गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में करीब 40 श्रद्धालु घायल हो गए। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई।अस्पताल प्रशासन के मुताबिक घायलों का उपचार जारी है और गंभीर रूप से घायल श्रद्धालुओं को आगे रेफर किया गया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

50% से अधिक पौधे जीवित रहने पर मिलेगा 1 लाख तक प्रोत्साहन



राहुल | धर्मशाला
समर न्यूज

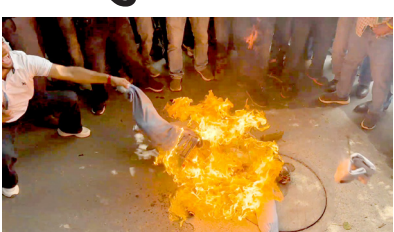
बरसात के मौसम के साथ धर्मशाला वन मंडल में पौधारोपण अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। वन विभाग की ओर से विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत वन मंडल के क्षेत्रों में बड़े स्तर पर पौधे रोपे जा रहे हैं।

इस वर्ष कंपैस्ट्री अफॉरेस्टेशन के तहत करीब 70 हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग 80 हजार पौधे लगाए गए हैं। वहीं, एनपीवी योजना के तहत 103

हेक्टेयर क्षेत्र में करीब एक लाख पौधे रोपे गए हैं। शाहपुर, कांगड़ा और धर्मशाला सब-डिवीजन के विभिन्न क्षेत्रों में यह अभियान चलाया गया है। डीएफओ धर्मशाला अमित शर्मा ने बताया कि सरकार की राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत इस बार धर्मशाला वन मंडल को 70 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधारोपण का लक्ष्य मिला है।

खास बात यह है कि यह योजना प्रोत्साहन आधारित है। पौधारोपण के एक वर्ष बाद यदि लगाए गए पौधों में 50 प्रतिशत से अधिक पौधे जीवित पाए जाते हैं, तो संबंधित महिला मंडल, युवक मंडल या स्वयं सहायता समूह को अगले वर्ष एक लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

भाजयुमो ने मंडी में फूँका पुतला, पुलिस ने की छीनाझपटी



■ पुलिस ने पानी डाल कर बुझाई आग, कार्यकर्ताओं ने डाल दिया तेल

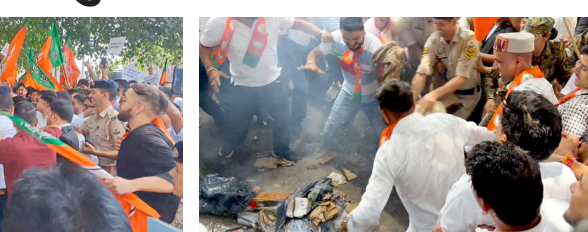
■ पुतला दहन के बाद शहर में निकाली आक्रोश रैली, सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

धर्मवीर | मंडी
समर न्यूज

हिमाचल प्रदेश में जारी विधानसभा सत्र के दौरान मंडी में युवा मोर्चा का सुक्खू सरकार के खिलाफ आक्रोश



देखने को को मिला है। जिसमें विरोध स्वरूप भारतीय जनता युवा मोर्चा ने मंडी जिला मुख्यालय में सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू का पुतला भी जलाया। इस दौरान पुलिस ने पुतला छीनने का भी प्रयास किया, जिसको लेकर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच काफी देर तक छीनाझपटी होती रही। पुलिस ने आग बुझाने के लिए पुतले पर पानी भी डाला, लेकिन कार्यकर्ताओं ने दोबारा उस पर तेल डालकर आग तेज कर दी।



इसके बाद पुलिस ने मौके पर स्थिति को नियंत्रित किया। इसके उपरांत कार्यकर्ताओं ने सुक्खू सरकार की गारंटियों, युवाओं को रोजगार देने के वादे और रोजगार के मुद्दे को लेकर सदन में भी कांग्रेस सरकार अब इन गारंटियों को भूल चुकी है। पिछले4 सालों से प्रदेश की जनता सरकार की जन विरोधी नीतियों से बुरी तरह त्रस्त है और अब जनता गए रोजगार संबंधी वादों को पूरा करने की मांग उठाई। भाजयुमो जिला



अध्यक्ष योगराज डोगरा ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने सत्ता में आने से पूर्व युवाओं को हर साल 1 लाख रोजगार देने सहित 10 गारंटियाँ दी थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार अब इन गारंटियों को भूल चुकी है।

पिछले4 सालों से प्रदेश की जनता सरकार की जन विरोधी नीतियों से बुरी तरह त्रस्त है और अब जनता से सुक्खू सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है।

संशोधित वेतनमान व लंबित पेंशन लाभ जल्द जारी करने की उठी मांग



गुलशन धनोहा | देहरा
समर न्यूज

हिमाचल प्रदेश परिवहन सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण मंच, जिला कांगड़ा की देहरा इकाई की मासिक बैठक मंगलवार को जिला अध्यक्ष चमन लाल पुंडीर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में हिमाचल पथ परिवहन निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर वित्तीय लाभ न मिलने पर सदस्यों ने गहरा रोष व्यक्त किया।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि अन्य विभागों से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके वित्तीय एवं पेंशन संबंधी लाभ निर्धारित समय पर मिल रहे हैं, लेकिन परिवहन निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने जायज हकों के लिए लंबे समय से कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के वाई-2 आशीर्वाद के बाद भी समस्याओं का समाधान न होने से कर्मचारियों में निराशा और आक्रोश बढ़ रहा है। मंच ने

सरकार और संबंधित विभाग से मांग की कि 1 सितंबर 2026 र पहले जनवरी 2016 से वर्ष 202 तक के संशोधित वेतनमान का लाभ सेवानिवृत्त कर्मचारियों को प्रदान किया जाए। इसके साथ ही पेंशन प्रबंधन, बकाया राशि और अन्य लंबित वित्तीय मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने की मांग की गई।

सदस्यों ने कहा कि बैंक के माध्यम से पेंशन और अन्य भुगतान किए जाने के बावजूद कई सेवानिवृत्त कर्मचारियों को राशि समय पर प्राप्त नहीं हो रही है। इससे बुजुर्ग पेंशनरों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का स्थायी समाधान करने तथा सभी लंबित वित्तीय लाभ शीघ्र जारी करने पर जोर दिया गया। चमन लाल पुंडीर सहित मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों ने कहा कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष आगे भी एकजुट होकर जारी रखा जाएगा।

पीर निगाह हादसे पर भाजपा नेताओं ने जताया दुःख, घायलों के उपचार की मांग

समर न्यूज | शिमला

ऊना जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पीर निगाह के समीप श्रद्धालुओं से भरे मालवाहक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना पर भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल और नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

हादसे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के घायल होने की सूचना है। भाजपा नेताओं ने कहा कि हरियाणा से पीर निगाह में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं के साथ हुआ हादसा बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि इस कठिन समय में भाजपा की संवेदनाएं घायलों और उनके परिवारों के साथ हैं। उन्होंने प्रशासन

और स्वास्थ्य विभाग से अपील की कि सभी घायलों को तत्काल बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। गंभीर रूप से घायल लोगों को आवश्यकता पड़ने पर उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया जाए व उपचार में किसी प्रकार की कमी न रहे। मंदिर से कुछ दूरी पर उतराई में श्रद्धालुओं को ले जा रहा मालवाहक वाहन चालक के नियंत्रण से बाहर होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरा।

दुर्घटना के बाद लोगों, राहगीरों व श्रद्धालुओं ने राहत एवं बचाव कार्य में महत्वपूर्ण सहयोग किया।भाजपा नेताओं ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही को देखते हुए उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पीर निगाह मार्ग पर पहले भी मालवाहक वाहनों से जुड़े हादसे सामने आ चुके हैं।

टीका नगरोटा जंगल में बिरोजा निकासी पर सवाल, 29 पेड़ों पर मिली अनियमितता

संजीव महाजन | नूरपुर
समर न्यूज

वन मंडल नूरपुर के तहत टीका नगरोटा के जंगल में चीड़ के पेड़ों से बिरोजा निकासी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि जंगल में निर्धारित नियमों के विपरीत चीड़ के पेड़ों पर टक लगाए गए हैं। कुछ पेड़ों पर दो-दो टक लगाए जाने के साथ ही अंडरसाइज पेड़ों से भी बिरोजा निकालने की शिकायत की गई है। जांच में टीका नगरोटा के बिरोजा प्लॉट नंबर 39 में 29 पेड़ों पर नियमों के विपरीत बजट में एनएचएम कर्मचारियों के लिए संशोधित वेतनमान का लोभ मिला है। राज महाजन ने शिकायत वन विभाग को भेजे जाने की पुष्टि की है। वहीं, वन मंडल किलो बिरोजा जब्त किया गया और मामले में डैमेज रिपोर्ट तैयार की गई



है। धर्मशाला व शिमला के संबंधित अधिकारियों के साथ ऑनलाइन 1100 नंबर पर भी शिकायत दर्ज करवाई गई। ग्रामीण हरमन सिंह ने भी मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। एसडीएम अरुण शर्मा ने शिकायत वन विभाग को भेजे जाने की पुष्टि की है। वहीं, वन मंडल अधिकारी जगजीत चालवान ने कहा कि विभाग नियमानुसार कार्रवाई करेगा।

राहुल | धर्मशाला समर न्यूज

पूर्व भाजपा विधायक विशाल नेहरिया ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र पूरी तरह सुचारू रूप से न चल पाने को प्रदेश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा जनता के मुद्दों को उठाने और सरकार से जवाब मांगने का महत्वपूर्ण मंच है।

ऐसे में सदन की कार्यवाही बाधित होना सीधे तौर पर प्रदेश की जनता के हितों को प्रभावित करता है। नेहरिया ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी, आर्थिक संकट, विकास कार्यों में देरी और युवाओं से जुड़े कई गंभीर विषय हैं, जिन पर विधानसभा में सार्थक चर्चा



होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन मुद्दों को गंभीरता से लेने के बजाय सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखा रही है। विशाल नेहरिया ने कहा कि विधानसभा को चलाने की मुख्य जिम्मेदारी सत्ता पक्ष और सरकार की होती है।

विपक्ष की ओर से प्रदेशहित के मुद्दों को सदन में उठाने तथा सरकार के साथ समन्वय स्थापित करने के प्रयास किए गए हैं, लेकिन सरकार का रवैया सकारात्मक नहीं दिखाई दे रहा। उन्होंने सरकार से आग्रह किया

कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर सदन की कार्यवाही को प्राथमिकता दी जाए।केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के मुद्दे पर भी नेहरिया ने प्रदेश सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में प्रस्तावित कैंपस के लिए भूमि से जुड़ी अधिकांश औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं, लेकिन अफॉरेस्टेशन फीस जमा करवाने की दिशा में लंबे समय से अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है।

उन्होंने सरकार से जल्द फीस जमा करवाकर निर्माण कार्य की राह आसान करने की मांग की।नेहरिया ने धर्मशाला और शाहपुर में चल रहे केंद्रीय विश्वविद्यालय के हेरिटेज कैंपस को स्थायी स्वरूप देने के लिए केंद्र सरकार से प्रभावी बातचीत करने की भी मांग की।

चुराह में जनगणना के दूसरे चरण की तैयारी

मंजूर पठान | चंबा
समर न्यूज

चंबा जिला के चुराह उपमंडल में जनगणना के दूसरे चरण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 23 अगस्त से 31 अगस्त तक चलने वाले इस चरण के तहत जनगणना कार्य में तैनात किए जाने वाले सुपरवाइजर्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसके बाद 1 सितंबर से 30 सितंबर तक क्षेत्र में जनगणना का कार्य किया जाएगा। उपमंडल स्तर पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। चुराह उपमंडल में जनगणना के दूसरे चरण को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। करीब 240 सुपरवाइजर्स को कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

तोहफा

राहुल चावला | धर्मशाला
समर न्यूज

प्रेस क्लब धर्मशाला में राज्य स्वास्थ्य समिति (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) अनुबन्ध कर्मचारी संघ हिमाचल प्रदेश की पत्रकार वार्ता आयोजित हुई। प्रदेशाध्यक्ष मंजीत शर्मा के निर्देशानुसार आयोजित पत्रकार वार्ता की अध्यक्षता प्रदेश प्रेस सचिव राज महाजन ने की। इस दौरान जिला कांगड़ा अध्यक्ष बख्शीश सिंह और जिला महासचिव विशाल शर्मा भी मौजूद रहे।

राज महाजन ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत करीब 2500 कर्मचारी 66 विभिन्न पदों पर स्वास्थ्य विभाग में



सेवाएं दे रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान सेवाओं से लेकर क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम और स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने में एनएचएम कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कर्मचारियों के बेहतर कार्य के चलते प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में कई बार सम्मान भी प्राप्त हुआ है।उन्होंने कहा कि एनएचएम कर्मचारी पिछले

करीब 28 वर्षों से स्थायी नीति और नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं। संभटन की ओर से वर्तमान सरकार के समक्ष भी लगातार यह मांग उठाई जाती रही है। सरकार ने पहली बार बजट में एनएचएम कर्मचारियों के लिए संशोधित वेतनमान की घोषणा की थी, जिसके बाद 21 अगस्त 2026 को स्वास्थ्य विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी।अधिसूचना के अनुसार सात वर्ष की सेवा पूरी

कर चुके एनएचएम कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की तर्ज पर बेसिक पे का लाभ दिया गया है। सात वर्ष से अधिक सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों के लिए प्रत्येक वर्ष तीन प्रतिशत वेतन वृद्धि का प्रावधान किया गया है।

वहीं, सात वर्ष की सेवा पूरी नहीं करने वाले कर्मचारियों को सात वर्ष पूरे होने तक पांच प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ मिलता रहेगा। इस निर्णय से करीब 833 एनएचएम कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान का लाभ मिला है। राज महाजन ने संशोधित वेतनमान लागू करने के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद सिंह सुक्खू का आभार जताया। उन्होंने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

‘राष्ट्र-प्रथम’ राजनीति की प्रेरक यात्रा था अरुण जेटली का जीवन सफर : रेखा गुप्ता

सीएम ने पूर्व केंद्रीय मंत्री की सातवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी, संगठन के प्रति योगदान को किया याद

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अरुण जेटली की सातवीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सिरी फोंट स्थित अरुण जेटली पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके सार्वजनिक जीवन को ‘राष्ट्र-प्रथम’ राजनीति और जनसेवा की प्रेरणादायक यात्रा बताया। इस मौके पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और कई अन्य नेता भी मौजूद रहे।

रेखा गुप्ता ने कहा कि जेटली का सार्वजनिक जीवन संगठन, सुशासन और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का उदाहरण रहा। उन्होंने विद्यार्थी



परिषद से उनकी राजनीतिक यात्रा शुरू होने, आपातकाल के खिलाफ संघर्ष, संगठन में लंबे समय तक सक्रिय भूमिका और संसद में प्रभावी योगदान का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेटली की राजनीतिक यात्रा आने वाली पीढ़ियों को सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने की प्रेरणा देती रहेगी।

■ **अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में भूमिका**
मुख्यमंत्री ने जेटली के केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में कार्यकाल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाया गया, जिनसे देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली। जेटली ने 2014 से 2019 के बीच केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट

मामलों के मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। वह नरेंद्र मोदी सरकार के प्रमुख नीतिगत रणनीतिकारों में भी शामिल रहे। जेटली के कार्यकाल में वस्तु एवं सेवा कर लागू करना केंद्र सरकार के प्रमुख आर्थिक फैसलों में रहा। इसके अलावा कर व्यवस्था में बदलाव, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता जैसे सुधारों को आगे बढ़ाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी कानूनी समझ और संसद में प्रभावी तर्क रखने की क्षमता के कारण उन्हें भाजपा के प्रमुख नीति विशेषज्ञों में गिना जाता था।

■ **दिल्ली से रहा गहरा जुड़ाव**
रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली जेटली की कर्मभूमि रही और यहां पार्टी कार्यकर्ताओं तथा आम लोगों से उनका गहरा जुड़ाव था। उन्होंने दिल्ली के विकास से जुड़े विषयों

को लगातार उठाया और संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने जेटली को प्रखर वक्ता और कुशल संगठनकर्ता बताते हुए कहा कि उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी बात सम्मान से सुनते थे। उनके अनुसार जेटली की विशेषता यह थी कि वह राजनीतिक मतभेदों के बावजूद व्यक्तिगत संबंधों में सहजता बनाए रखते थे।

■ **राजनीतिक और कानूनी क्षेत्र में अलग पहचान**
अरुण जेटली ने छात्र जीवन से सार्वजनिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। आपातकाल के दौरान वह लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली के आंदोलन से जुड़े और बाद में भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल हुए।

उपलब्धि: श्रीराम बालाजी-अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने जीता कानकुन कंट्री ओपन डबल्स खिताब

एजेंसी। कानकुन

भारत के श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कानकुन कंट्री ओपन टेनिस टूर्नामेंट का पुरुष युगल खिताब अपने नाम कर लिया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला और बेलारूस के एंड्री वासिलेव्स्की की जोड़ी को हराकर ट्रॉफी जीती। बालाजी और चंद्रशेखर ने निर्णायक मुकाबले में दबाव के क्षणों में बेहतर तालमेल दिखाया। दोनों ने सर्विस गेम में मजबूती बनाए रखी और महत्वपूर्ण मौकों पर अंक हासिल कर मुकाबला अपने पक्ष में किया। इस जीत से भारतीय जोड़ी को 9,900 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली।

यह खिताब दोनों खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। श्रीराम बालाजी इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय युगल मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और युगल



विशेषज्ञ के तौर पर उनकी पहचान है। अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने भी पिछले कुछ समय में युगल स्पर्धाओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है।

■ **फाइनल में संयम से खेला:**
भारतीय जोड़ी ने मुकाबले के दौरान आक्रामक खेल के साथ सर्विस और नेट पर बेहतर तालमेल बनाया। विरोधी जोड़ी में मैक्सिको और बेलारूस के अनुभवी खिलाड़ी शामिल थे, लेकिन बालाजी-

चंद्रशेखर ने अहम मौकों पर गलतियां कम कीं। फाइनल में मिली जीत ने उन्हें टूर्नामेंट की शीर्ष जोड़ी के रूप में स्थापित किया।

■ **अंतरराष्ट्रीय सर्किट में फायदा:**
कानकुन कंट्री ओपन में मिली सफलता से दोनों खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक भी मिले हैं। इससे आने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में बेहतर वरीयता और प्रवेश हासिल करने में मदद मिल सकती है।

श्री गुरु रविदास जी की वाणी समूची मानवता को समानता का देती है संदेश : कुलवंत सिंह

रयात बाहरा विश्वविद्यालय में 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित सातवां राज्य स्तरीय सेमिनार

सागर पाहवा। मोहाली

समर न्यूज़

पंजाब सरकार द्वारा श्री गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित वर्षभर चलने वाले समारोहों की श्रृंखला के तहत रयात बाहरा विश्वविद्यालय में सातवां राज्य स्तरीय सेमिनार आयोजित किया गया।

सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में महल कला से विधायक एवं पंजाब विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के चेयरमैन कुलवंत सिंह पंडेरी ने शिरकत की।

इस अवसर पर पंजाब सरकार के सांस्कृतिक मामलों के सलाहकार श्री दीपक बाली, डेरा संत बाबा प्रीतम दास जी के प्रमुख संत बाबा निर्मल दास जी, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग के प्रमुख प्रो. मर्नजिंदर सिंह, डेरा



संत प्रीतम दास से आर्किटेक्ट संतोष कुमार, रयात बाहरा विश्वविद्यालय के चांसलर गुरविंदर सिंह बाहरा, वाइस चांसलर संजय कुमार, रजिस्ट्रार प्रो. एल.के. यादव, डीन विद्यार्थी कल्याण डॉ. सिमरजीत कौर, विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

सेमिनार को संबोधित करते हुए कुलवंत सिंह पंडेरी ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी महाराज की महान शख्सियत किसी एक वर्ग, धर्म अथवा क्षेत्र तक सीमित नहीं है। उनकी वाणी और विचारधारा समूची मानवता को समानता, प्रेम, भाईचारे, सच्चाई और मानवीय सम्मान का संदेश देती है। गुरु साहिब ने अपने

समय की सामाजिक असमानताओं के विरुद्ध आवाज बुलंद करते हुए ऐसे समाज की कल्पना की, जहां किसी भी व्यक्ति के साथ जात-पात अथवा किसी अन्य आधार पर भेदभाव न हो।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्रकाश पर्व को पूरे वर्ष विभिन्न समारोहों के माध्यम से मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल एक ऐतिहासिक दिवस मनाना नहीं, बल्कि गुरु साहिब की शिक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और उन्हें समानता, सेवा एवं मानवता के सिद्धांतों से जोड़ना है।

■ **ट्रंप प्रशासन का बड़ा कदम:**
2016 से 2026 के बीच जारी बी-1 और बी-2 वीजा पर लागू कर पर नजर, शरण मांगने वालों को किया जाएगा चिह्नित

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन कारोबार और पर्यटन के लिए जारी किए गए करीब दो लाख तक वीजा रद्द करने की तैयारी में है। निशाने पर ऐसे विदेशी नागरिक हैं, जो बी-1 (व्यावसायिक) या बी-2 (पर्यटन) वीजा पर अमेरिका पहुंचे और बाद में वहीं शरण के लिए आवेदन कर दिया या वर्तमान में शरण मांग रहे हैं। यदि यह योजना लागू होती है तो इसे अमेरिकी इतिहास में एक साथ वीजा रद्द करने की सबसे बड़ी कार्रवाई माना जाएगा। हालांकि, अभी अंतिम संख्या तय नहीं है और प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ इसमें बदलाव हो सकता है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के दस्तावेजों और अधिकारियों के हवाले से सामने आई जानकारी के अनुसार, प्रस्तावित कार्रवाई 2016

से 2026 के बीच जारी बी-1 और बी-2 वीजा पर लागू होगी। विदेश मंत्रालय इस प्रक्रिया में गृह सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर ऐसे लोगों की पहचान करेगा। अधिकारियों के अनुसार, संबंधित वीजा रद्द होने का अर्थ यह नहीं है कि सभी प्रभावित लोगों को तत्काल निर्वासित कर दिया जाएगा। जिन लोगों के शरण संबंधी मामले लंबित हैं, उन्हें अलग आव्रजन श्रेणी में रखा जा सकता है, लेकिन उनका कारोबार या पर्यटन वाला वीजा दर्जा समाप्त हो जाएगा।

■ **शरण व्यवस्था के दुरुपयोग का आरोप:**
अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिर्गाट ने कहा है कि सरकार ऐसे विदेशियों की पहचान कर रही है, जो अल्पकालिक यात्रा के उद्देश्य से अमेरिका आए लेकिन बाद में स्थायी रूप से रहने के लिए शरण का आवेदन करने लगे। उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडो ने भी अमेरिकी शरण व्यवस्था में लंबे समय से बड़ी संख्या में गैर-जरूरी दावों का आरोप लगाया है। प्रशासन का तर्क है कि पर्यटन या कारोबार के लिए दिए गए वीजा का इस्तेमाल



स्थायी रूप से अमेरिका में रहने के रास्ते के रूप में नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि आखिर कितने वीजा रद्द किए जाएंगे। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक करीब दो लाख का आंकड़ा संभावित अधिकतम संख्या है। अंतिम कार्रवाई चरणबद्ध तरीके से हो सकती है और कितने लोगों पर लागू होगी, यह जांच तथा प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्पष्ट होगा।

■ **आव्रजन नीति में लगातार सख्ती:**
ट्रंप प्रशासन के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका ने आव्रजन और वीजा व्यवस्था को लगातार कड़ा किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रशासन अब तक विदेशी नागरिकों के 1.75 लाख से अधिक वीजा रद्द कर चुका है। वीजा आवेदकों की जांच में सोशल

मीडिया गतिविधियों समेत कई अतिरिक्त जानकारीयों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा कुछ श्रेणियों के आवेदकों के लिए आर्थिक गारंटी और अन्य शर्तें भी कड़ी की गई हैं। अमेरिकी प्रशासन इन कदमों को राष्ट्रीय सुरक्षा और आव्रजन कानूनों के पालन से जोड़ रहा है। ट्रंप सरकार अवैध आव्रजन पर रोक और सीमा नियंत्रण को अपनी प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं में रखती है। इसके तहत वीजा रद्द करने के साथ निर्वासन की कार्रवाई भी तेज की गई है।

■ **कानूनी चुनौती की संभावना:**
प्रस्तावित सामूहिक वीजा रद्दीकरण को लेकर कानूनी चुनौती की संभावना भी जताई जा रही है। अधिकार समूहों ने ट्रंप प्रशासन की व्यापक आव्रजन कार्रवाई पर पहले भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि सख्त नीतियों से उचित प्रक्रिया और नागरिक अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। यदि दो लाख तक वीजा रद्द करने की प्रक्रिया आगे बढ़ती है तो इसके दायरे और कानूनी आधार को अदालतों में चुनौती दिए जाने की संभावना है।

■ **भारतीय यात्रियों पर भी नजर:**
प्रस्तावित कार्रवाई का असर अलग-अलग देशों के उन नागरिकों पर पड़ सकता है, जिन्होंने बी-1 या बी-2 वीजा पर अमेरिका की यात्रा की और बाद में शरण के लिए आवेदन किया। हालांकि उपलब्ध जानकारी में प्रभावित लोगों की राष्ट्रीयता के आधार पर कोई सूची जारी नहीं की गई है। इसलिए अभी यह कहना संभव नहीं है कि कितने भारतीय नागरिक इस कार्रवाई के दायरे में आएंगे। सामान्य पर्यटक या कारोबारी वीजाधारकों के लिए केवल इस प्रस्ताव के आधार पर किसी व्यापक रद्दीकरण की घोषणा नहीं हुई है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय आने वाले सप्ताहों में कार्रवाई की औपचारिक प्रक्रिया और इसके दायरे को स्पष्ट कर सकता है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वीजा रद्द करने की प्रक्रिया एक साथ पूरी होने के बजाय चरणबद्ध तरीके से चल सकती है। इसलिए फिलहाल दो लाख का आंकड़ा संभावित अधिकतम संख्या है, अंतिम संख्या नहीं।

खड़गे का आरोप- चोर दरवाजे से आरक्षण खत्म करने की कोशिश

सरकारी पद खाली रखने और स्थायी नौकरियों की जगह ठेका व्यवस्था बढ़ाने को लेकर केंद्र पर निशाना

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर आरक्षण को ‘चोर दरवाजे’ से खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि संविधान में बदलाव किए बिना भी सरकारी नौकरियों में आरक्षण के अवसर कम किए जा सकते हैं। खड़गे ने इसके लिए बड़ी संख्या में सरकारी पदों के खाली रहने, सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियां घटने और स्थायी रोजगार की जगह ठेका व्यवस्था बढ़ने का मुद्दा उठाया।

खड़गे ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा कि 2015 में केंद्र सरकार में करीब 4.21 लाख पद खाली थे, जो 2024 में बढ़कर 8.24 लाख हो गए। उन्होंने दावा किया कि रेलवे में 2.40 लाख, रक्षा क्षेत्र में 2.41 लाख और गृह



मंत्रालय में 1.10 लाख पद रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि इन पदों को नहीं भरने का सीधा असर आरक्षित वर्गों के रोजगार के अवसरों पर पड़ता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकारी पद खाली रखना, सार्वजनिक उपक्रमों को बेचना और स्थायी नौकरियों की जगह ठेका व्यवस्था बढ़ाना सामाजिक न्याय

के खिलाफ है। उनका कहना है कि आरक्षण का लाभ तभी मिल सकता है जब सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र में पर्याप्त नियमित पद उपलब्ध हों। उन्होंने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के संवैधानिक अधिकारों का उल्लेख करते हुए सरकार की नीति पर सवाल

उठाया। खड़गे ने कहा कि आरक्षण समाप्त करने के लिए संविधान में संशोधन करना जरूरी नहीं है। उनके अनुसार, यदि आरक्षण वाली सरकारी नौकरियों की संख्या ही कम कर दी जाए या पद लंबे समय तक रिक्त रखे जाएं तो आरक्षण का व्यावहारिक लाभ सीमित हो जाएगा।

■ **आरोपों पर राजनीतिक बहस:**
खड़गे के बयान के बाद आरक्षण और सरकारी रोजगार को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। सरकार की ओर से इन आरोपों पर इस रिपोर्ट के समय कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

वहीं, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने हाल में कहा था कि आरक्षण कोई खेरात नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार है और इसे खत्म नहीं किया जा सकता। इससे स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में आरक्षण और सरकारी

नौकरियों का मुद्दा राजनीतिक विमर्श में महत्वपूर्ण बना रह सकता है।

■ **रिक्त पदों पर जोर:**
खड़गे ने अपने आरोपों का आधार केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों के आंकड़ों को बनाया है। उनका कहना है कि रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए स्वीकृत पदों को समय पर भरना जरूरी है। कांग्रेस इसे युवाओं के रोजगार और सामाजिक न्याय से जोड़ रही है। खड़गे के बयान से आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक केंद्र में आ गया है। कांग्रेस जहां इसे सामाजिक न्याय और रोजगार के अवसरों से जोड़ रही है, वहीं सरकार से जुड़े नेताओं ने आरक्षण खत्म किए जाने की आशंकाओं को खारिज किया है। ऐसे में आगे सरकारी भर्ती, रिक्त पदों और ठेका रोजगार से जुड़े आंकड़े इस बहस को और प्रभावित कर सकते हैं।

लवकी भट्टी | लुधियाना

समर न्यूज़

सिद्ध पीठ महाबली संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर, जोशी नगर धाम, शंकराचार्य नगर में साप्ताहिक श्रृंखलाबद्ध 1362 वें हवन यज्ञ का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। मंदिर के प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन एवं उपप्रधान अनुज मदान की अध्यक्षता में आयोजित हवन यज्ञ में आनंद चोपड़ा , रीतू चोपड़ा ,मानवी चोपड़ा परिवार व बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने परिवार सहित भाग लिया।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर भगवान से परिवार की सुख-शांति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की। हवन यज्ञ के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। प्रातःकाल आयोजित



हवन यज्ञ में मंदिर के आचार्य देवी दयाल जी, आचार्य राम जी, आचार्य विश्राम जी, आचार्य संजय जी, आचार्य सुरेश जी एवं आचार्य नारायण जी ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना करवाई। श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक यज्ञ में आहुतियां डालकर धार्मिक परंपरा में सहभागिता की।

इस अवसर पर अनुज मदान ने कहा कि अगर हम भावी पीढ़ियों को अपने सनातन धर्म के इतिहास से परिचित करायें तो इसके स्क्रात्मक परिणाम सामने आएंगे अर्थात अपने धर्म का ज्ञान होने पर आगे बढ़ कर प्रचार व प्रसार करेंगे और मंदिर में इसका प्रत्यक्ष

परिणाम देखने को मिलता है यहां पहले युवा अपना जन्म दिन पश्चमी सभ्यता से प्रभावित होकर मनाते थे परन्तु आज मंदिर में जन्म दिन पर ,सालगिरह पर इर शुभ अवसरों पर ,सालगिरह पर इर शुभ अवसरों पर भक्त हवन यज्ञ कर अपना विशेष दिन मना रहे है और भाव पश्चमी सभ्यता को भूल कर सनातन धर्म प्रति अपने धर्म का निर्वाह कर रहे है जोकि भविष्य में स्क्रात्मक बदलाव लेकर आएगा।अमन जैन व ऋषि जैन ने कहा कि मंदिर में 1 सितंबर से श्री मद भागवत कथा अंतर्गत श्री कृष्ण कथा आयोजन की तैयारियां आरम्भ हो चुकी है और भक्त इस कथा प्रति उत्साहित है।

पंजाब कांग्रेस नेताओं ने कनाडाई सांसद अमनदीप कौर सोदी से की मुलाकात



लवकी भट्टी | लुधियाना

समर न्यूज़

पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कनाडा की प्रमुख हस्तियों के प्रतिनिधिमंडल ने कनाडा के ब्रैम्पटन स्थित ब्रैम्पटन सेंटर हल्के के कार्यालय में सांसद अमनदीप कौर सोदी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव पवन दीवान और शहीद भगत सिंह नगर योजना बोर्ड के पूर्व चेयरमैन सतवीर सिंह पल्लोझिक्की ने किया। प्रतिनिधिमंडल में लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा के

नेशनल वाइस-प्रेसिडेंट हर्दम मांगट, अमरप्रीत ओलख, यादविंदर सोढी और अजीत सुधीर भी शामिल रहे। बैठक के दौरान भारत-कनाडा संबंधों, दोनों देशों में व्यापार और प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। नेताओं ने कहा कि समझौते की शर्तों को अंतिम रूप देने की दिशा में दोनों देशों के अधिकारी काम कर रहे हैं। कनाडा की इमिग्रेशन नीति और भारतीय छात्रों को पेशा आ रही समस्याओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। कनाडा में बसे भारतीयों की भारत स्थित संपत्तियों और उनके परिवारों के वीजा संबंधी मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

सांसद धर्मवीर गांधी की सोशल मीडिया पोस्ट पर विवाद, पुलिस को शिकायत



अशक्वी पाहवा | लुधियाना

समर न्यूज़

लुधियाना में आयोजित ‘एक शाम शिव के नाम’ कार्यक्रम को लेकर पटियाला से कांग्रेस सांसद धर्मवीर गांधी की सोशल मीडिया पोस्ट पर विवाद खड़ा हो गया है। पोस्ट से नाराज सनातन सेवा समिति मालवा जेन के संगठन महासचिव वरुण मेहता के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। शिकायत में सांसद पर सनातन धर्म प्रेमियों की भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया गया है।

वरुण मेहता ने कहा कि पंजाब सरकार की ओर से हनुमान चालीसा, ‘एक शाम शिव के नाम’, रामायण मंचन और सनातनी नववर्ष जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

पटियाला के श्री काली माता मंदिर का जीर्णोद्धार भी जारी है। आरोप लगाया कि सांसद ने इन आयोजनों को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। प्रतिनिधियों ने पोस्ट की जांच करवाकर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

मेहता के अनुसार, पुलिस कमिश्नर ने शिकायत डीए लौगल को भेजने और रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पशु चिकित्सा अधिकारियों के लिए इकोकार्डियोग्राफी पर कार्यशाला



लवकी भट्टी | लुधियाना

समर न्यूज़

गुरु अंगद देव वेटेनरी एवं एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी, लुधियाना के वेटेनरी मेडिसिन विभाग की ओर से “पालतू पशुओं एवं पशुधन में इकोकार्डियोग्राफी” विषय पर व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की गई।

इसका उद्देश्य पशुओं में हृदय स्वास्थ्य के मूल्यांकन के लिए इकोकार्डियोग्राफी तकनीक के उपयोग में पशु चिकित्सा पेशेवरों के व्यावहारिक कौशल को मजबूत

करना था। प्रशिक्षण में पंजाब पशुपालन विभाग के नौ पशु चिकित्सा अधिकारियों ने भाग लिया। विशेषज्ञ डॉ. नीतू सैनी, डॉ. शबनम सिद्धू और डॉ. तन्विका सांगवान ने प्रतिभागियों को इकोकार्डियोग्राफी परीक्षण, छवि विश्लेषण, हृदय संरचनाओं की पहचान और कार्यप्रणाली के मूल्यांकन का प्रशिक्षण दिया। उप-कुलपति डॉ. जतिंदर पाल सिंह गिल ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम पशु चिकित्सा पेशेवरों को आधुनिक निदान एवं उपचार तकनीकों से अपडेट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉ. राजिंदर कुमार बंसल बने बीएफयूएचएस के कुलपति

लवकी भट्टी | लुधियाना

समर न्यूज़

डीएमसी एंड एच के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र एवं पूर्व फैकल्टी सदस्य डॉ. राजिंदर कुमार बंसल को बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (बीएफयूएचएस) का वाइस चांसलर नियुक्त किया गया है।

उनकी नियुक्ति पर डीएमसी एंड एच परिवार ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. बंसल ने वर्ष 1988 में डीएमसी एंड एच से एमबीबीएस और 1992 में एमडी की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2000 में एसजीपीजीआईएमएस,

लखनऊ से न्यूरोलॉजी की डिग्री हासिल की। वर्ष 2002 में उन्होंने डीएमसी एंड एच के न्यूरोलॉजी विभाग में सेवाएं शुरू कीं और 2010 में प्रोफेसर बने। संस्थान के साथ दो दशक से अधिक समय तक जुड़े रहने के दौरान उन्होंने चिकित्सा शिक्षा, मरीजों के उपचार, विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों के मार्गदर्शन तथा न्यूरोलॉजी सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डीएमसी एंड एच मैनेजिंग सोसायटी के सचिव बिपिन गुप्ता और प्रिंसिपल डॉ. जी.एस. वांडर ने डॉ. बंसल को बधाई देते हुए कहा कि उनका वाइस चांसलर बनना संस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ. बंसल का अनुभव बीएफयूएचएस के लिए उपयोगी साबित होगा।

एफएंडसीसी चुनाव बना निगम की सियासत का नया अखाड़ा

चुनाव करवाने की मांग पर विपक्ष भिड़ा, हंगामे और धक्का-मुक्का की के बाद दलों की सहमति से तय हुई मतदान की तारीख

लवकी मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

नगर निगम लुधियाना की फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी (एफएंडसीसी) के दो नए सदस्यों के चुनाव को लेकर मंगलवार को गुरु नानक देव भवन में बुलाई गई विशेष जनरल हाउस की बैठक में जमकर हंगामा हुआ। चुनाव की तारीख और मतदान प्रक्रिया को लेकर आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस के पार्षद आमने-सामने आ गए।

तीखी बहस के बाद मामला धक्का-मुक्की और हाथापाई तक पहुंच गया। मौके पर मौजूद पार्षदों और पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। हंगामे के चलते मेयर इंद्रजीत कौर ने सदन की कार्यवाही करीब 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। बैठक के दौरान एक पार्षद के पति को सदन के अंदर जाने से रोकने को लेकर भी विवाद हुआ। इसे लेकर पार्षदों और मौके पर मौजूद लोगों के बीच काफी देर तक बहस होती रही, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया।

■ **चुनाव मंगलवार को कराने की मांग पर भिड़ा विपक्ष...**

एफएंडसीसी के दो सदस्यों के चुनाव की तारीख और मतदान प्रक्रिया को लेकर भाजपा और कांग्रेस पार्षदों की विधायक दलजीत सिंह भोला ग्रेवाल के साथ तीखी बहस हुई। विपक्षी पार्षदों की मांग थी कि चुनाव और मतदान की प्रक्रिया मंगलवार को ही पूरी करवाई जाए। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सत्तापक्ष के उम्मीदवार पूरी तरह तैयार नहीं हैं और चुनाव टालने के लिए नियमों का हवाला दिया जा रहा है। कांग्रेस पार्षद गौरव भट्टी ने दावा किया कि हाईकोर्ट ने 25 अगस्त को एफएंडसीसी सदस्यों का चुनाव करवाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, निगम प्रशासन ने नियमों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि नामांकन प्रक्रिया पूरी

होने के बाद निर्धारित समय के अनुसार ही मतदान करवाया जा सकता है।

■ **शाम 5 बजे तक पांच नामांकन, 28 अगस्त तक नाम वापस लेने का मौका...**

निगम सेक्रेटरी विवेक वर्मा के मुताबिक 25 अगस्त शाम 5 बजे तक एफएंडसीसी चुनाव के लिए पांच नामांकन फॉर्म जमा हुए हैं। नियमों के अनुसार नामांकन के बाद निर्धारित अवधि पूरी होने पर 29 अगस्त को मतदान करवाया जाएगा। उम्मीदवार 28 अगस्त तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। बैठक में सभी दलों की सहमति के बाद एफएंडसीसी के दो नए सदस्यों का चुनाव 29 अगस्त, शनिवार को गुप्त मतदान यानी सीक्रेट बैलेट पेपर के जरिए करवाने का फैसला लिया गया।

■ **45 पार्षद पहले ही मांग चुके थे गुप्त मतदान**

एफएंडसीसी चुनाव को लेकर गुप्त मतदान की मांग पहले ही जोर पकड़ चुकी थी। करीब 45 पार्षदों ने मेयर कार्यालय में ज्ञापन देकर सीक्रेट बैलेट के जरिए मतदान करवाने की मांग की थी। मंगलवार की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा के बाद सभी राजनीतिक दलों की सहमति से गुप्त मतदान करवाने पर फैसला हुआ।

■ **हाईकोर्ट के निर्देशों के चलते होभी वीडियोग्राफी...**

चुनाव प्रक्रिया को लेकर हाईकोर्ट के निर्देशों के मद्देनजर मंगलवार को हुई बैठक की वीडियोग्राफी भी करवाई गई। 29 अगस्त को होने वाले चुनाव की पूरी प्रक्रिया की भी वीडियोग्राफी करवाई जाएगी, ताकि मतदान प्रक्रिया रिकॉर्ड में रहे और चुनाव पारदर्शी तरीके से करवाया जा सके। मेयर इंद्रजीत कौर ने कहा कि जनरल हाउस में सर्वसम्मति से गुप्त मतदान के जरिए चुनाव करवाने का फैसला लिया गया है। निगम प्रशासन निष्पक्ष और



पारदर्शी तरीके से चुनाव करवाने के लिए पूरी तरह तैयार है। निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने भी स्पष्ट किया कि नियमों के मुताबिक मेयर ही इस चुनाव के लिए अधिकृत चुनाव अधिकारी होंगी।

■ **मैदान में भाजपा-कांग्रेस के साथ आप के तीन उम्मीदवार...**

चुनाव प्रक्रिया को लेकर हाईकोर्ट के निर्देशों के मद्देनजर मंगलवार को हुई बैठक की वीडियोग्राफी भी करवाई गई। 29 अगस्त को होने वाले चुनाव की पूरी प्रक्रिया की भी वीडियोग्राफी करवाई जाएगी, ताकि मतदान प्रक्रिया रिकॉर्ड में रहे और चुनाव पारदर्शी तरीके से करवाया जा सके। मेयर इंद्रजीत कौर ने कहा कि जनरल हाउस में सर्वसम्मति से गुप्त मतदान के जरिए चुनाव करवाने का फैसला लिया गया है। निगम प्रशासन निष्पक्ष और



बनाए जाने की चर्चा है।

■ **बेटे से पार्षदों के पैर छुआने की भी चर्चा...**

निगम गलियारों में चुनाव को लेकर एक और चर्चा ने राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, एक राजनेता ने कथित तौर पर अपने बेटे से कई पार्षदों के पैर छुआकर समर्थन मांगने की कोशिश की। हालांकि, इस संबंध राजनीतिक तस्वीर भी दिलचस्प हो गई है। भाजपा की ओर से वार्ड नंबर 73 की पार्षद रवि विशाल गुलाटी और कांग्रेस की ओर से वार्ड नंबर 26 के पार्षद गौरव भट्टी को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से वार्ड नंबर 2 के अमन बग्गा, वार्ड नंबर 50 के युवराज सिद्धू और वार्ड नंबर 63 की मनिंदर कौर घुमन को उम्मीदवार



जरूरतमंद बच्चों को वितरित किए नजर के चश्मे

लवकी मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

भारत विकास परिषद शहीद सुखदेव शाखा की ओर से जूनियस नेशनल पब्लिक स्कूल, राजर्षी गार्डन में जरूरतमंद बच्चों को नजर के चश्मे वितरित किए गए। इससे पहले परिषद ने स्कूल में नेत्र जांच शिविर लगाया था, जिसमें करीब 500 बच्चों व स्टॉफ की चिकित्सकों ने आंखों की जांच की। जांच में लगभग 110 बच्चों की नजर कमजोर पाई गई थी। परिषद ने सचदेवा ऑप्टिकल्स के सहयोग से इन बच्चों के लिए जरूरत के अनुसार चश्मे तैयार करवाकर वितरित किए।



कार्यक्रम का शुभारंभ ज्योति प्रज्वलित कर वंदे मातरम के गायन से हुआ। डॉक्टर गिरीश सचदेवा ने बच्चों को आंखों की देखभाल, मोबाइल व स्क्रीन के संतुलित उपयोग और पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी दी। स्कूल प्रबंधन ने परिषद की

पहल की सराहना करते हुए आभार जताया। संरक्षक बृजभूषण बंसल ने बच्चों को शहीद सुखदेव के जीवन और देश के प्रति योगदान से अवगत कराया। अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने सभी का धन्यवाद किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

दुकान से 12 हजार नकद और 5 किलो छोटी इलायची चोरी



सहजप्रीत सिंह | लुधियाना
समर न्यूज़

केसरगंज मंडी की मिर्च वाली गली में चोरों ने जुनेजा ट्रेडर्स को निशाना बनाकर करीब 12 हजार रुपये नकद और पांच किलो छोटी इलायची चोरी कर ली। दुकानदार अजय के अनुसार, वारदात रात करीब छह बजे हुई। दो चोर दुकान से सटी बंद बिल्डिंग का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुए और रोशनदान काटकर दुकान में घुस गए।

करीब आधे घंटे तक दुकान में रहने के बाद आरोपित गल्ले और अलमारी के ताले तोड़कर सामान खंगालते रहे। जाते समय नकदी और इलायची लेकर फरार हो गए। दुकानदार ने पास स्थित संत टावर कॉम्प्लेक्स में रहने वाले लोगों को पुलिस वॉरेफिकेशन नहीं होने को लेकर भी चिंता जताई। थाना कोतवाली पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपितों को पहचान में जुटी है।

लुधियाना दौरे पर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष बोले यूपी व बिहार की तुलना में पंजाब पीछे छूट रहा लोग परेशान हैं और व्यापारी पलायन कर रहे

सुनील शिंगार | लुधियाना
समर न्यूज़

पंजाब के दो दिनों के दौरे के दौरान मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष लुधियाना पहुंचे। लुधियाना पहुंचने पर उन्होंने कई अहम मीटिंग की और 2027 पंजाब विधानसभा चुनाव के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि यूपी और बिहार की तुलना में विकास कार्यों को लेकर पंजाब काफी पीछे छूट रहा है।

सरकार को आड़े दायें होते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली से हारी हुई सरकार अब पंजाब को लगातार नुकसान पहुंचा रही है। इसी का नतीजा है कि पंजाब की औद्योगिक नगरी कहीं जाने वाली लुधियाना महानगर की सड़कों की खस्ता हालत, परेशान व्यापारी और लगातार औद्योगिक इकाइयों का हो रहा पलायन है। ये भी बताया कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वह प्रदेश लगातार विकास कर रहे हैं और लोगों को व्यापार और नौकरियां मिल रही हैं। बी एल संतोष ने कहा कि पंजाब की जनता भी अब बदलाव चाहती है। 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भारतीय जनता पार्टी बदलाव लाएगा और पंजाब को एक मजबूत राज्य बनाएगी।



■ **117 सीटों पर चुनाव को तैयार रहें...**

लुधियाना में बी एल संतोष ने मीटिंग के दौरान जिला कमेटी के साथ-साथ खन्ना, समराला, जगारंव के भाजपा नेताओं के साथ भी मीटिंग की। उन्होंने मौजूदा माहौल के बारे में जानकारी ली। मीटिंग में पहुंचे नेताओं ने बी एल संतोष को बताया कि अब पंजाब में गांव के लोग भी बदलाव चाहते हैं और वह मौजूदा सरकार से परेशान आ चुके हैं। उन्होंने बताया कि गांव के लोगों से भी भारतीय जनता पार्टी को अब काफी प्यार मिल रहा है। इस दौरान बी एल संतोष ने स्पष्ट किया कि आने वाली पंजाब विधानसभा चुनाव में सभी 117 सीट पर भारतीय जनता पार्टी चुनाव लड़ेगी और जीतेगी। इसी के चलते सभी 117 सीटों पर तैयारी करने की बात भी कही। बी एल संतोष ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी इतनी शक्ति है कि सभी सीटों पर विजय हासिल कर सकती है।

■ **गठबंधन पर भी बोले संतोष ...**

बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर आए पंजाब शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल एक चर्चा का विषय है। क्यों कि मानना है कि भाजपा और शिरोमणि अकाली दल का पंजाब में जल गठबंधन होगा। इस बात पर भी बी एल संतोष बोले कि गठबंधन कि अभी तक कोई भी उम्मीद नहीं है। भारतीय जनता पार्टी अब पंजाब के गांव के लोगों का भी दिल जीत चुकी है। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि अंतिम नियंत्रण पार्टी के बड़े नेताओं का है जो माननीय है।

■ **पटियाला, बठिंडा, लुधियाना, जालंधर और अमृतसर में किया दौरा ...**

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बी एल संतोष 24 और 25 अगस्त 2 दिनों के लिए पंजाब के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने पटियाला, बठिंडा, जालंधर, लुधियाना और अमृतसर में पार्टी नेताओं के साथ मीटिंग की। पंजाब दौरे के दौरान उन्होंने गांव में काम करने

प्रॉपर्टी मामले में 16.81 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी, दो पर मामला दर्ज

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

रियल एस्टेट और प्रॉपर्टी में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर 16.81 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि प्राइम लोकेशन पर जमीन दिलाने के नाम पर पीड़ित से करोड़ों रुपये लिए गए, लेकिन बाद में न तो उसके नाम कोई प्रॉपर्टी करवाई गई और न ही रकम वापस लौटाई गई।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की जांच के बाद थाना पुलिस ने अतुल मेहता और सलोनी मेहता के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक केस दर्ज कर बैंक खातों व वित्तीय लेन-देन की जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

15 वर्षीय किशोरी से बंधक बनाकर दुष्कर्म का आरोप, दो पर पर्चा दर्ज

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

महानगर में 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी को कथित तौर पर बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। किशोरी की मां की शिकायत पर थाना मेहरबान पुलिस ने गुरजोत सिंह और बिक्रमजीत सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के तहत धाराएं लगाई हैं। पुलिस को दी शिकायत में किशोरी की मां ने बताया कि 23 अगस्त को उनकी 15 वर्षीय बेटी बिना बताए घर से चली गई थी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन रात तक उसका कोई पता नहीं चला। अगले दिन 24

आरोप है कि वहां गुरजोत सिंह ने धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी उसे रास्ते में छोड़कर फरार हो गए। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच जारी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

कैंटर का टायर महिला के ऊपर से निकला, बेटे को आई चोटें

शुभम शर्मा | फिल्लौर
समर न्यूज़

लुधियाना के जस्सियां चौक के पास सोमवार को दर्दनाक सड़क हादसे में कैंटर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा घायल हो गया। हादसा मैकडोनाल्ड के सामने नवनिर्मित पुल के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार मां-बेटा सड़क पर जा गिरे। इसी दौरान कैंटर का पिछला टायर महिला के ऊपर से निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक रजत

राज अपनी मां बबिता के साथ लाडोवाल की तरफ से मोटरसाइकिल पर कैलाश नगर स्थित घर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में रजत भी घायल हो गया। सूचना मिलते ही थाना सलेम टाबरी पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर हवाबीर सिंह संधू और थानेदार प्रेम चंद ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी, जबकि घायल रजत को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में शामिल कैंटर को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। चालक मौके से फरार

हो गया, जिसकी तलाश जारी है। एक घंटे तक हाईवे पर लगा जाम हादसे के बाद जस्सियां चौक के पास नेशनल हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर हादसे की जांच कर रही है। महिला की मौत से परिवार में मातम छा गया। परिजनों ने आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस हादसे के कारणों और चालक की भूमिका की जांच कर रही है।

रेलवे ओवरब्रिज पर ट्रक और कार की टक्कर, हादसा टला

शुभम शर्मा | फिल्लौर
समर न्यूज़

फिल्लौर के जीटी रोड स्थित रेलवे ओवरब्रिज पर मंगलवार सुबह ट्रक और i20 कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। दुर्घटना में आई 20 कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि ट्रक का एक टायर पंचर हो गया। एसएसएफ के रूट इंचांज एसएसआई सरबजीत सिंह ने बताया कि सुबह करीब 6:48 बजे एमडीटी डिविडस के माध्यम से हादसे की सूचना मिली। सूचना मिलते ही एसएसएफ टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।



ट्रक चालक सुल्तान खान निवासी नौडीहा झुंरां, गया (बिहार) ने बताया कि i20 कार गोराया से फिल्लौर की ओर जा रही थी। अचानक कार डिवाइडर से पलटकर सड़क की दूसरी तरफ पहुंच गई और फिल्लौर से गोराया की दिशा में जा रहे भारत बेंज ट्रक से टकरा गई।

टक्कर के कारण ट्रक का एक टायर पंचर हो गया।

हादसे के बाद एसएसएफ टीम ने ट्रक को हाईवे से सुरक्षित साइड पर करवाया, जबकि बुरी तरह क्षतिग्रस्त i20 कार को थाना फिल्लौर के हवाले कर दिया गया।

कार चालक की पहचान शिवम शर्मा निवासी बस्ती जोधवाल, फरीद नगर, लुधियाना के रूप में हुई है। हादसे की सूचना थाना फिल्लौर के इयूटी अधिकारी एसएसआई जसविंदर सिंह को दे दी गई। एसएसएफ के अनुसार हादसे में किसी को चोट नहीं आई और किसी को अस्पताल ले जाने की जरूरत नहीं पड़ी। कार्रवाई एसएसआई सरबजीत सिंह के नेतृत्व में सीटी रोहित कुमार और सीटी गुरजशन सिंह ने की।

सांसद धर्मवीर गांधी के खिलाफ पुलिस में शिकायत



लवकी भट्टी | लुधियाना
समर न्यूज़

सनातन सेवा समिति मालवा जोन के संगठन महासचिव वरुण मेहता ने पटियाला से कांग्रेस सांसद धर्मवीर गांधी पर सनातन धर्म प्रेमियों की भावनाएं आहत करने का आरोप लगाते हुए पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा को लिखित शिकायत दी। मेहता ने आरोप लगाया कि सांसद ने पंजाब में आयोजित सनातनी धार्मिक कार्यक्रमों के खिलाफ दुष्प्रचार

किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा श्री हनुमान चालीसा, एक शाम शिव के नाम और श्री रामायण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पटियाला के श्री कालीमाता मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर भी उन्होंने खुशी जताई। मेहता ने कहा कि समिति सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदेशभर में कांग्रेस का विरोध करेगी। इस अवसर पर भरत शर्मा नैनी, अश्वनी कन्नौजिया, पुनीत कत्याल, अनीशा मिश्र, गगन अरोड़ा और अन्य उपस्थित रहे।